RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:30 ता. 26 जुलाई 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

सेना पर हमले में आतंकियों की मदद करने वाले गिरफ्तार, पूछताछ जारी

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। जम्मू एवं कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को कठुआ आतंकी हमले में जैश-ए-मोहम्मद के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने आतंकी हमले में जैश की मदद की थी। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कठुआ जिले के पहाड़ी इलाके से जैश-ए-मोहम्मद के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों के आतंकवादियों को रणनीतिक और रसद पहुंचाने में मदद करने और लोगों की भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है। बता दें 10 जुलाई को कठुआ के बदनोटा गांव में सेना के वाहन पर आतंकवादियों के हमले में चार सैनिक और एक पुलिसकर्मी समेत पांच जवान शहीद हो गए थे। जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, डोडा, कठुआ, रियासी और उधमपुर समेत पहाड़ी जिलों में 40 कट्टर विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना है। वहीं, सेना ने आतंकवाद का सफाया करने के लिए चार हजार से ज्यादा सैनिकों को तैनात किया है। यह सभी सैनिक आतंकियों को ढूंढ-ढूंढ कर मार रहे हैं।

सोना खरीदने दुकान पहुंच रही लोगों की भीड़....डर सरकार फैसला बदल ना दें

नई दिल्ली । (एजेंसी)

बजट 2024 में सोने-चांदी पर कस्टम ड्यूटी कम करने से गोल्ड-सिल्वर के दम तेजी से गिरे हैं। इस वजह से सस्ते भाव पर सोना खरीदने के लिए ज्वैलरी शॉप पर लोगों की भीड़ जुटने लगी है। लोग अभी से शादी-ब्याह के लिए गोल्ड की शॉपिंग कर रहे हैं। उधर सोना-चांदी के व्यापारियों ने कहा कि कुछ लोग को इसकी भी चिंता हैं कि सोने की मांग में बढ़ोतरी के चलते कीमतों को लेकर कस्टम ड्यूटी का फैसला वापस ले ली जा सकती हैं। भारत, दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। दरअसल बजट में हुई घोषणा के बाद सोने की कीमतें रिकॉर्ड 74000 रुपये प्रति ग्राम के स्तर से गिरकर 70,000 के नीचे चल गई हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव 69,950 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 64,150 रुपये है। सोने-चांदी की जबरदस्त मांग को देखते हुए ज्वैलर्स ने कारीगरों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। क्योंकि, कस्टम ड्यूटी घटने से रोजाना की डिमांड 20 प्रतिशत तक बढ़ गई है। सोना-चांदी के व्यापारियों को उम्मीद है कि इस त्यौहारी सीजन में ज्वैलरी की बिक्री अच्छी रहेगी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई बस, 3 की मौत, 87 घायल

बस में सवार थे 150 यात्री, चालक को नींद आने से हुआ हादसा

फिरोजाबाद। (एजेंसी)

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात भीषण सड़क हादसे में एक बस रेत (बालू) से भरे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 87 लोग घायल हो गए। ये घटना थाना नगला खगर क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के पिलर-59 के पास हुई। यात्रियों से भरी बस बहराइच से दिल्ली जा रही थी। बताया जा रहा है कि चालक को अचानक नींद का झपका आ गया और बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बस चालक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बस में सवार 87 लोग घायल हो गए। बता दें कि बस में 150 लोग सवार थे। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उन्होंने सभी घायलों को सैफई और शिकोहाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया है। फिरोजाबाद के एसपी ने बताया कि बुधवार देर रात एक बजे के आसपास उन्हें हादसे की जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सुरक्षित लोगों को दूसीर बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया। बता दें कि यूपयी के उन्नाव जिले में बीते 10 जुलाई को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बस और टैंकर की टक्कर में 18 लोगों की मौत हो गई थी और 19 घायल हो गए थे। बिहार के मोतिहारी से दिल्ली जा रही यह तेज रफ्तार डबल डेकर बस ने दूध के टैंकर को पीछे से टक्कर मार दी थी। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने यूपी के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए बस हादसे को लेकर दुख व्यक्त किया था और मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपए देने की घोषणा की थी।

आफत बनी बारिश...गुजरात में बारिश से 8 मौतें, हिमाचल में बादल फटा,

महाराष्ट्र में बाढ़ जैसे हालात, पुणे में स्कूल बंद, डूबी कॉलोनियां, सडक़ें-पुल भी जलमग्न

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश के कई राज्यों में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से हालात गंभीर हैं। बड़ा असर महाराष्ट्र में दिख रहा है। मुंबई, पुणे, ठाणे, पालघर सहित महाराष्ट्र के कई शहरों में भारी बारिश जारी है। इसके चलते सडक़ों से लेकर रेल ट्रैक तक पानी से लबालब हो चुके हैं। इसके कारण, यातायात जाम हो गया है और उड़ान और ट्रेन संचालन में देरी हो रही है। लगातार बारिश के कारण कई झीलें भी उफान पर हैं। पुणे और कोल्हापुर इलाकों में स्थिति गंभीर है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं मुंबई में भी बारिश आफत बन गई है। यहां जुलाई में अब तक की दूसरी सबसे अधिक बारिश हुई है और कुल मिलाकर 150 सेमी से अधिक बारिश हुई है। गुजरात में पिछले 3-4 दिनों से तेज बारिश का दौर चल रहा है। इससे वडोदरा, सूरत, भरूच और आणंद समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सिर्फ वडोदरा में ही 24 घंटे में 1315 इंच बारिश हुई है। राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में कुल 8 लोगों की मौत हुई है। इन जिलों के निचले इलाकों से 826 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करना पड़ा है। कई जगहों पर स्कूलों-कॉलेजों की भी छुट्टी कर दी गई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात की गई हैं। ट्रेन सर्विसेस भी बाधित हुई हैं। पुणे के बवधान इलाके की सडक़ें नाले में तब्दील हो चुकी हैं। शहर में कुदरत के कहर की दूसरी बानगी डूब चुके भिड़े ब्रिज की तस्वीरें बया कर रही हैं। बारिश और बाढ़ के पानी में डूबे पुणे की ड्रोन तस्वीरें हैरान करने वाली हैं। बेहिसाब हुई बारिश के बाद बाढ़ का पानी मेट्रो स्टेशन में भी घुस चुका है। भिड़े ब्रिज डूब चुका है। सडक़ें-कॉलोनियां, सब जगह पानी-पानी नजर आ रहा है। पुणे में तो आज गुरुवार को 70 लोगों का रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। रिहायशी इलाके में पानी भरने के बाद सभी लोग फंसे हुए थे। दमकल विभाग को खबर लगी तो टीम ने प्रभावित इलाकों में पहुंचकर नाव के सहारे बचाव अभियान चलाया। लगीं पुणे के एकता नगर में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। पुणे का एकता नगर पानी में डूबा हुआ है। रातभर से यहां हालात खराब हैं। लाइट और पानी भी नहीं है। अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है।

15 रिहाइशी कॉलोनियां डूबीं

पुणे में लोगों की मुसीबत ये है कि उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। जबकि घर में बिजली-पानी तक नहीं है। और अगर लोग बाहर निकलते हैं तो हालात बेहद खराब हैं। यहां सडक़ों-गलियों में खड़ी गाडियां डूबी हुई हैं। पुणे में 15 रिहाइशी कॉलोनियां डूब चुकी हैं। करंट से 3 मौत हो चुकी है और स्थिति के मद्देनजर सभी स्कूल बंद करने का फैसला किया गया। पुणे में रिहाइशी कॉलोनियों में जलभराव इतने बड़े पैमाने पर हुआ है कि कम से कम 15 कॉलोनियों के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। सडक़ें, गलियां, घर सब कुछ बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं। उसी से गुजरकर लोग कहीं आने जाने के लिए मजबूर हैं।सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं और बुजुर्गों को हो रही है।

960 साल पुराने शिव मंदिर में भरा पानी

महाराष्ट्र के अंबरनाथ स्थित 960 साल पुराने शिव मंदिर के भीतर भी बारिश का पानी भर गया है। इससे मंदिर में मौजूद मूर्ति और शिवलिंग डूब गए हैं। दरअसल, वालधुनी नदी शिव मंदिर के पास बहती है। भारी बारिश के कारण उसका जल प्रवाह भी बढ़ गया है। अंबरनाथ तालुका में पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है और इसके कारण नदियां और नाले उफान पर हैं। अगर बारिश जारी रही तो शहर में बाढ़ आने की संभावना है।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला की सांसदों को चेतावनी,

भूलकर भी आसन को चुनौती ना दें

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्य अभिजीत गंगोपाध्याय और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में गुरुवार को सदस्यों से कहा कि वे सदन की मर्यादा रखें और आसन को चुनौती नहीं दें। सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर कांग्रेस सदस्यों ने गंगोपाध्याय की आपत्तिजनक टिप्पणी का विषय उठाया। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, कोई भी सदस्य सदन की गरिमा को चोट पहुंचाने वाली टिप्पणी करे, वे दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका कहना था, सदस्य चाहे सत्तापक्ष का हो या विपक्ष का हो, अगर वे सदन की गरिमा को चोट पहुंचाने वाली टिप्पणी करते है, तब शब्दों को कार्रवाई से हटाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उचित कार्रवाई करने या उचित टिप्पणी करने का अधिकार भी अध्यक्ष को है। रीजीजू के अनुसार, जब गंगोपाध्याय ने टिप्पणी की, तब वे लोकसभा में नहीं, बल्कि राज्यसभा में थे। बिरला ने कहा, इस सदन की एक मर्यादा है। उच्च परंपरा और परिपाटी रही है। मेरा सभी लोगों से आग्रह है कि सदन में अपनी बात रखें, चर्चा में भाग लें, लेकिन कोई ऐसी टिप्पणी नहीं करें जो संसद की मर्यादा और संसदीय परंपराओं के अनुकूल नहीं हो। बिरला का इशारा अभिषेक बनर्जी द्वारा सदन में की गई टिप्पणी की ओर था। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदस्य जितना सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा रखते हैं, उतना ही उनके क्षेत्र में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सदन में केंद्रीय बजट पर सामान्य चर्चा में भाग लेकर गंगोपाध्याय ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनके वक्तव्य के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने गोडसे को लेकर कोई टिप्पणी की, इसपर पलटवार कर गंगोपाध्याय ने उनके लिए एक आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया जिसका विपक्षी सदस्यों ने विरोध कर माफी की मांग की। दूसरी तरफ, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने बजट पर चर्चा में भाग लेकर नोटबंदी और लॉकडाउन का उल्लेख किया था, तब लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा, वर्ष 2016 के बाद दो बार लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। आप बजट पर बात कीजिए। अध्यक्ष का इशारा 2019 और 2024 में हुए आम चुनावों में भी भाजपा नीत राजग के सत्ता में आने की ओर था। फिर बनर्जी ने किसी का नाम लिया, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा खड़ा कर दिया। इस पर बिरला ने कहा कि सदस्य उन लोगों के नाम नहीं लें जो सदन के अब सदस्य नहीं हैं।

10:54.....11:43 के बीच दो बार महसूस किए गए भूकंप के झटके

दिल्ली के पास फरीदाबाद में

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली के पास फरीदाबाद में गुरुवार सुबह भूकंप ने दो बार दस्तक दी। एक घंटे में दो बार भूकंप से लोग सहम गए। दोनों ही बार रिएक्टर स्केल पर तीव्रता 2.4 मापी गई। कहीं जानमाल के हानि की सूचना नहीं है। भूकंप की तीव्रता बेहद कम होने की वजह से क्षति की आशंका नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलोजी के मुताबिक दिल्ली से करीब फरीदाबाद में सुबह 10:54 पर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.4 मापी गई। जमीन से 5 किलोमीटर नीचे इसका केंद्र था। दूसरी बार 11:43 बजे भूकंप आया। केंद्र और तीव्रता भी समान थी। भूकंप को लोगों ने भले ही महसूस नहीं किया लेकिन एक घंटे में दो बार भूकंप की खबर ने डर जरूर पैदा कर दिया। हालाकि, एक बार भूकंप आने के बाद आफ्टर शॉक लगना सामान्य है। अमूमन 3 से कम तीव्रता के भूकंप महसूस नहीं किए जाते हैं। 5 से अधिक तीव्रता के भूकंप में नुकसान की आशंका होती है। तीव्रता यदि 7 से अधिक हो तब बड़े पैमाने पर नुकसान होता है।हाल के समय में दिल्ली-एनसीआर के में भूकंप के कई हल्के और मध्यम कंपन महसूस किए जा चुके हैं। यमुना किनारे बसा यह इलाका भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। दिल्ली-एनसीआर की ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग भूकंप

कांग्रेस ने उठाया ग्लोबल वार्मिंग का मुद्दा, खट्टर बोले-मुझे तो मंत्री बने एक ही माह हुआ

नई दिल्ली। (एजेंसी)

संसद के बजट सत्र में कई मुद्दों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस बीच, कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने बढ़ते तापमान को लेकर सत्तापक्ष से सवाल किया। तिवारी ने लोकसभा में कहा कि रियो डी जेनेरियो में हुए वैश्विक सम्मेलन में यह आम सहमति बनी थी कि ग्लोबल वार्मिंग का स्तर 1.5 डिग्री तक कम किया जाएगा, जो कि औद्योगिक क्रांति के पहले दौर के बराबर होगा।

उन्होंने आगे कहा कि अब 1992 से लेकर 2024 तक यह आंकड़ा कई सरकारों के लिए मुश्किल भरा रहा है। मौजूदा आर्थिक सर्वे में एनर्जी ट्रांजिशन को लेकर दो चैप्टर हैं, जिसमें 1.5 डिग्री वाले इस आंकड़े पर सवाल उठाया गया है। क्या सरकार आर्थिक सर्वे में लिखी गई इस बात से सहमत है और अगर सहमत है, तो क्या वह वैश्विक समुदाय के बीच बनी सहमति के खिलाफ जाएगी। तिवारी के इस सवाल का जवाब मनोहर लाल खट्टर ने दिया उन्होंने कहा कि मैं तो एक महीने से ही मंत्री हूं, लेकिन मनीष तिवारी पहले भी मंत्री रह चुके हैं। कुल मिलाकर यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि यह एक वैश्विक चिंता का विषय पिछले कुछ सालों में उभरकर सामने आ रहा है। इससे पहले, 1992 और 1997 में भी इसे लेकर चिंता जताई गई थी। हमने इसे लेकर वैश्विक समुदाय के सामने कुछ कमिटमेंट किए हैं। जिसमें कार्बन उत्सर्जन को 33 से 35 फीसद करने का लक्ष्य था। इस लक्ष्य को हमने पूरा कर लिया है। अब हम उत्सर्जन कम करेंगे और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने की दिशा में उचित कदम उठाएंगे।

दरबार हॉल अब.....गणतंत्र और अशोक हॉल अशोक मंडप हुआ

-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बदला नाम

नई दिल्ली । (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों - दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिया है। भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास, राष्ट्र का प्रतीक और लोगों की एक अमूल्य विरासत है। राष्ट्रपति भवन के वातावरण को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने का लगातार प्रयास हो रहे है। राष्ट्रपति का कार्यालय की ओर से बताया गया कि दरबार हॉल राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों और उत्सवों का स्थल है। दरबार शब्द का तात्पर्य भारतीय शासकों और अंग्रेजों की अदालतों और सभाओं से है, भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासगिकता खत्म हो गई। गणतंत्र जनतंत्र की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से जुड़ी है, इसलिए गणतंत्र मंडप इस आयोजन स्थल के लिए एक उपयुक्त नाम है। अशोक मॉल मूल रूप से एक बॉलरूम था। अशोक शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो सभी कष्टों से मुक्त हो या जो किसी भी दुःख से रहित हो इसके अलावा, अशोक सम्राट अशोक को संदर्भित करता है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ से अशोक का सिंह शीर्ष है, यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है जिसका भारतीय धार्मिक मान्यताओं में गहरा महत्व है। परंपराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति भी।

सेना की ताकत बढ़ी,

अब भारत को रुस से नहीं मांगना पड़ेगा डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली। (एजेंसी)

डीआरडीओ ने बीते रोज चरण-2 बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम में इतिहास रच दिया है। बीएमडी को ओडिशा के चांदीपुर के एलसी-4 धामरा से 16~20 बजे लॉन्च किया गया। डीआरडीओ ने बताया कि यह बैलेस्टिक मिसाइल दुश्मन की 5000 किलोमीटर रेंज वाली मिसाइलों से निपटने में सक्षम है। इस सफलता के बाद भारत को रूस के साथ चल रही एस400 एयर डिफेंस सिस्टम की जरूरत नहीं रह जाएगी। वहीं, चीन से लेकर पाकिस्तान के अंदरूनी हिस्सों से भारत की ओर आने वाली मिसाइलों को एक ही झटके में तबाह कर सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस परीक्षण ने एक बार फिर भारत की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया है। वहीं, रक्षा मंत्रालय ऑफिस ने ट्वीट कर कहा, 'डीआरडीओ ने 24 जुलाई को बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के दूसरे चरण का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया। दूसरे चरण में एडी (एडवांस्ड एरिया डिफेंस) एंडो-एटमॉस्फेरिक मिसाइल को अपराह्न चार बजकर 24 मिनट पर चांदीपुर स्थित आईटीआर के एलसी-3 से दागा गया।'लक्षित मिसाइल को अपराह्न 4 बजकर 24 मिनट पर एक दुश्मन बैलिस्टिक मिसाइल के प्रारूप के तौर पर प्रक्षेपित किया गया, जिसका भूमि और समुद्र पर तैनात हथियार प्रणाली रडारों द्वारा पता लगा लिया गया और 'इंटरसेप्टर' प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया। विज्ञप्ति के मुताबिक, दूसरे चरण की एंडी एंडो-वायुमंडलीय मिसाइल स्वदेशी रूप से विकसित दो चरणीय ठोस ईंधन वाले एवं जमीन से दागी जाने वाली मिसाइल प्रणाली है। इसका उद्देश्य कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दुश्मन के कई प्रकार के बैलिस्टिक मिसाइल खतरों का खात्मा करना है। विशेषज्ञों ने बताया कि बाहरी वातावरण में मिसाइल पृथ्वी के वायुमंडल के सबसे ऊपरी क्षेत्र में मिशन पूरा करने में सक्षम हैं जबकि अंतः वायुमंडलीय मिसाइल वे हैं जो पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर संचालित होती हैं और 100 किलोमीटर से कम ऊंचाई तक के लक्ष्यों को भेदती हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उड़ान परीक्षण ने सभी परीक्षण उद्देश्यों को पूरा किया, जिससे लंबी दूरी के सेंसर, कम विलंबता संचार प्रणाली और उन्नत इंटरसेप्टर मिसाइलों से युक्त एक पूर्ण नेटवर्क केंद्रित युद्ध अस्त्र प्रणाली की पुष्टि हुई। डीआरडीओ के एक अधिकारी ने बताया कि मिसाइल ने हवा में डमी के तौर पर तैनात दुश्मन के मिसाइल को भी काफी सटीकता से टारगेट किया। वहीं, रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि परीक्षण के दौरान सभी उद्देश्यों को सफलता पूर्वक पूरा कर लिया। डीआरडीओ ने बताया कि यह मिसाइल का जमीन और समुद्र पर तैनात हथियार प्रणाली रडार द्वारा पता लगाया गया और इसने एडी (एडवांस्ड एरिया डिफेंस) इंटरसेप्टर सिस्टम को भी एक्टिवेट कर दिया।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों से भिडंत: हमने 30 दिन में खो दिए 11 जांबाज

श्रीनगर। (एजेंसी)

करीब ढाई दशक बाद जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकी घटनाएँ बढ़ीं है। आए दिन घुसपैठ के चलते आतंकियों से मुठभेड़ हो रही है। भारतीय जांबाज आतंकियों को ढेर कर रहे हैं,लेकिन घात लगाकर कायरों की तरह किए जाने वाले हमलों में हमारे जवान शहीद हो रहे हैं। बीते 30 दिनों में हुई अलग अलग मुठभेड़ और हमलों में भारत ने 11 सैनिक खो दिए हैं। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में एलओसी के पास संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में घायल हुए नायक (गनर) दिलवर खान की अस्पताल में मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक एक आतंकवादी भी मारा गया है। इससे पहले मंगलवार को पुंछ के बट्टल सेक्टर में घुसपैठ विरोधी अभियान के दौरान 7 जाट रेजिमेंट के लांस नायक सुभाष चंद्र (28) शहीद हो गए थे।

इस महीने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हिंसा में शहीद होने वाले जवानों की संख्या 11 हो गई है। 15 जुलाई को डोडा जिले में संदिग्ध पाकिस्तानी आतंककवादियों के साथ मुठभेड़ में 10 राष्ट्रीय राइफल्स के एक कैप्टन और तीन जवान शहीद हो गए थे। वहीं 8 जुलाई को कठुआ जिले के मच्छेड़ी जंगल में सेना के दो ट्रकों पर घात लगाकर किए गए हमले में 22 गढ़वाल राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए थे। कुछ दिन पहले जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में, लोलाब घाटी के जंगलों में आतंकवादियों के होने की खबर मिली थी। इस सूचना पर सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। मंगलवार को सुरक्षा बलों को त्रिमुख टॉप में एलओसी के पास कुछ आतंकवादी छिपे हुए मिले। मुठभेड़ शुरू हो गई। रात भर चले इस ऑपरेशन में नायक खान गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने खबर लिखे जाने तक मारे गए आतंकवादी की पहचान उजागर नहीं की है।

त्रिमुख टॉप का जंगल उस सैन्य शिविर के पास है, जो लोलाब घाटी पर नज़र रखता है। यह जंगल लोलाब को बांदीपोरा और बारामूला जिलों से जोड़ने वाला एक रणनीतिक गलियारा है। एलओसी पार करने के बाद, आतंकवादी अक्सर इस जंगल का इस्तेमाल एक जिले से दूसरे जिले में जाने के लिए करते हैं। सेना और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने जम्मू में लांस नायक चंद्र को श्रद्धांजलि दी। एक अधिकारी ने कहा कि उनके पार्थिव शरीर को उनके गृहनगर यूपी भेजे जाने से पहले भारतीय वायुसेना स्टेशन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस साल गर्मियों में, आतंकवादी हिंसा ज्यादातर पीर पंजाल पहाड़ों के दक्षिण में केंद्रित थी। पीर पंजाल पर्वत जम्मू और कश्मीर घाटी को अलग करते हैं। 9 से 12 जून के बीच रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हुए चार हमलों के बाद जम्मू क्षेत्र

में आतंकवादी हिंसा में उछाल देखने को मिला, जिसमें सात तीर्थयात्रियों, उनके स्थानीय बस चालक, कंडक्टर और सीआरपीएफ के एक कांस्टेबल शहीद हो गए। अक्टूबर 2021 से अब तक जम्मू में कम से कम 50 सुरक्षाकर्मी मारे जा चुके हैं, जिनमें सेना के 40 जवान और भारतीय वायुसेना का एक जवान शामिल है। जम्मू पहले आतंकवाद से मुक्त क्षेत्र था।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में भारी बारिश, एयर इंडिया और इंडिगो की सलाह.....घर से जल्दी निकलें

मुंबई । दिल्ली और मुंबई में गुरुवार को भारी बारिश हुई, जिससे मुंबई के कई इलाकों में जलभराव हो गया। इस बीच, बीएमसी ने कहा कि भारी बारिश के बीच विमान से सफर करने वाले यात्री ट्रैफिक और जलजमाव में ना फंसे इस कारण एयर इंडिया ने ट्वीट कर घर से समय से पहले निकलने को लेकर सलाह दी है। उन्होंने लिखा मुंबई में भारी बारिश के कारण आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। इसके बाद आपकों सलाह दी जाती है कि वे एयरपोर्ट के लिए घर से थोड़ी जल्दी निकलें। क्योंकि स्लो ट्रैफिक और जलभराव के कारण एयरपोर्ट पहुंचने में उन्हें देरी का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही एयर इंडिया और इंडिगो ने अपने यात्रियों से ये भी आग्रह किया है कि वे अपनी उड़ानों का शेड्यूल चेक कर लें और मेट्रो शहरों में ट्रैफिक जाम की वजह से एयरपोर्ट के लिए जल्दी निकल जाएं। बता दें कि मुंबई में बारिश जारी है। बारिश के चलते सड़कों पर पानी जमा होने शुरू हो गया है। जिसका असर ट्रैफिक पर भी देखने को मिल रहा है। मुंबई की सड़कों पर गाड़ियां आ जा रही है। लेकिन ट्रैफिक के चलते सड़कों पर जाम लगा है।

पटना में फोर्ड और हुंडई के सर्विस सेंटर में आग.....लाखों की गाड़ियां जली

पटना । राजधानी पटना में गुरूवार सुबह फोर्ड और हुंडई के सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई। आग लगने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना में लाखों रुपए की गाड़ियां जलकर नष्ट हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल की 35 गाड़ियों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि दानापुर-खगौल रोड पर स्थित फोर्ड और हुंडई कार के सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। घटना की सूचना के बाद अग्निशमन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस घटना में कई गाड़ियां जलकर नष्ट हो गई। उधर, हुंडई सर्विस सेंटर के मालिक का कहना है कि नई-पुरानी मिलाकर करीब 50 गाड़ियां जल गई हैं। वहीं, फोर्ड की बाहर खड़ी 7-8 गाड़ियां जली हैं।

सीएपीएफ, असम राइफल्स में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण-सरकार

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्य सभा में बताया कि मोदी सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल्स में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत रिक्तियां आरक्षित करने का निर्णय लिया है। अधिकतम आयु सीमा में छूट का प्रविधान किया गया है। राय ने कहा कि पूर्व अग्निवीरों के लिए सीएपीएफ और असम राइफल्स में कांस्टेबल और राइफलमैन के पद पर भर्ती में शारीरिक दक्षता परीक्षा से भी छूट रहेगी। राय ने कहा कि मंत्रालय संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग और संबंधित बलों के माध्यम से रिक्तियों को शीघ्रता से भरने के लिए गंभीर कदम उठाता रहा है और उठाता रहेगा।

सहारा समूह से जुड़ी समितियों के जमाकर्ताओं को 362.91 करोड़ दिए गए

नई दिल्ली । केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संसद को बताया कि इस साल 16 जुलाई तक सहारा समूह की सहकारी समितियों के 4.2 लाख से अधिक जमाकर्ताओं को 362.91 करोड़ रुपये दिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि सीआरसीएस सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से आसान बनाया गया है, इस 29 मार्च, 2023 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य जमाकर्ताओं को उनके धन को पुन= प्राप्त करने में सहायता करना था। वर्तमान में, आधार से जुड़े बैंक खाते के माध्यम से जांच के बाद जमाकर्ता को केवल 10,000 रुपये तक का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की जांच कर और जमा राशि का प्रमाण प्रस्तुत करने पर पारदर्शी तरीके से धनराशि वापस की जा रही है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण प्रक्रिया डिजिटल और कागज रहित है, जिसकी देखरेख सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर सुभाष रेड्डी और एमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल कर रहे हैं।

अधिकारियों के खिलाफ पक्के सबूत लेकर लाओ....एक्शन होगा

योगी ने अपने विधायकों से कहा

लखनऊ । (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन के बाद से सीएम योगी एक्शन में दिख रहे है। लगातार बैठकें कर पार्टी के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियों को लेकर सीएम योगी जुटे हुए हैं।

इसी कड़ी में योगी ने अलग-अलग मंडल के विधायकों से मुलाकात करने का सिलसिला शुरू किया है। गुरुवार को सीएम योगी मेरठ मंडल के विधायकों के साथ मीटिंग कर रहे हैं। इसके बाद सीएम योगी प्रयागराज मंडल के विधायकों से बात करने वाले है। इसके पहले उन्होंने बरेली मंडल के विधायकों के साथ बैठक की थी। बैठक में विधायकों ने प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ जमकर शिकायत की है। बैठक में योगी ने कहा था कि किसी भी जनप्रतिनिधि की जीत में 50 प्रतिशत पार्टी की, 50 प्रतिशत भूमिका प्रत्याशी की होती है।

वहीं विधायकों द्वारा अधिकारियों के न सुनने की शिकायत पर योगी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि कोई अधिकारी नहीं सुन रहा है, तब उसके खिलाफ पक्के सबूत के साथ शिकायत करें, तभी उस अधिकारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होगी। योगी ने विधायकों को क्षेत्र की जनता से बराबर संवाद बनाए रखने और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनने की भी सलाह दी है। वहीं एक विधायक द्वारा हेलमेट की जांच पर पुलिस द्वारा परेशान करने की शिकायत पर योगी ने कहा कि हेलमेट सुरक्षा के लिए जरूरी है। कानून का पालन हर हाल में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सपा इसलिए 10 साल से सत्ता से बाहर है,क्योंकि सपा सरकार में कानून का पालन नहीं होता था।

रक्षा मंत्रालय के अधिकारी का फोन चुराकर.....खाता किया खाली

रक्षा मंत्रालय के अधिकारी का फोन चुराकर.....खाता किया खाली

नई दिल्ली । (एजेंसी)

नोएडा में चोरों ने एक रक्षा मंत्रालय के अधिकारी का मोबाइल चोरी कर उनके बैंक अकाउंट से लाखों रुपये उड़ा लिए है। नोएडा के थाना एक्सप्रेसवे में मामले की शिकायत दर्ज हुई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। मोबाइल चोरी होने के बाद बैंक से पैसे निकालने के मामले में साइबर थाने की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक कर्नल आशीष कुमार द्विवेदी (डायरेक्टर) मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस, सेना भवन में कार्यरत हैं। वह नोएडा के सेक्टर-135 इलाके में बने डुप्लेक्स विला में रहते हैं।

उन्होंने बताया कि 6 जुलाई की रात करीब 9.45 से 10 बजे के बीच जब वे शनिवार बाजार में सब्जी खरीद रहे थे। तब उनका फोन चोरी हो गया। अगले दिन थाने में जाकर फोन चोरी की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद 8 जुलाई को जब उन्होंने नए फोन में अपने बैंक के एप को डाउनलोड कर बैलेंस चेक करने पर उनके होश उड़ गए। उन्होने बताया कि बैलेंस चेक करने के दौरान देखा कि उनके एसबीआई बैंक अकाउंट से 79,900 और पीएनबी बैंक

अकाउंट से 34,000 रुपये गायब हैं। इसके बाद उन्होंने एक्सप्रेसवे थाने में जाकर पुलिस को जानकारी दी। जिसके बाद साइबर क्राइम में केस दर्ज किया गया।

अच्छे आचरण के कारण जेल से रिहा हुए पूर्व विधायक करवरिया

लखनऊ । (एजेंसी)

समाजवादी पार्टी के विधायक की हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया जेल से रिहा हुए हैं। उन्हें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा क्षमादान दिए जाने के बाद गुरुवार को जेल से रिहा कर दिया गया। नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ अधीक्षक रंग बहादुर पटेल ने बताया, करवरिया की रिहाई के आदेश बुधवार शाम को प्राप्त हुए। आदेश पर अमल करते हुए उन्हें रिहा कर दिया गया। राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर करवरिया की समयपूर्व रिहाई के लिए राज्य सरकार की सिफारिश को स्वीकार कर उन्हें रिहा करने का आदेश पारित किया था। जानकारी के मुताबिक, प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट ने जेल में करवरिया के अच्छे आचरण का हवाला देकर उन्हें रिहा करने की सिफारिश की थी। बता दें कि 13 अगस्त 1996 को सपा के पूर्व विधायक जवाहर यादव उर्फ जवाहर पंडित को दिनदहाड़े गोलियों से छलनी कर दिया गया था। मामले में अदालत ने 4 नवंबर 2019 में पूर्व बसपा सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया और पूर्व बसपा एमएलसी सूरजभान करवरिया, उनके साथी रामचंद्र त्रिपाठी उर्फ कल्लू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वे नैनी सेंट्रल जेल में अपनी सजा काट रहे थे। उनके आचरण और योगी सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल ने करवरिया की उम्र कैद की बाकी सजा को माफ कर दी थी।

आज 3089 श्रद्धालुओं का जत्था जम्मू से कश्मीर रवाना, अब तक 4.25 लाख ने किए दर्शन

जम्मू। (एजेंसी)

पिछले 26 दिनों में अमरनाथ यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 4.25 लाख के पार पहुंच चुकी है। अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। आज 3,089 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। बीते साल इस अवधि के दौरान के वल 3.50 लाख यात्रियों ने अमरनाथ यात्रा की थी। इस साल केवल 26 दिनों में ही 4.25 लाख तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। गुरुवार को 3,089 यात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों के साथ जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। दोनों सुरक्षा काफिले सुबह 3-25 बजे घाटी के लिए निकले।

पहला सुरक्षा काफिला 43

वाहनों में एक हजार 286 तीर्थयात्रियों को लेकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दूसरा सुरक्षा काफिला 63 वाहनों में एक हजार 803 तीर्थयात्रियों को लेकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है। यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। इस वर्ष यात्रा 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के साथ खत्म होगी।

(सुलतानपुर) कोर्ट में आज बयान दर्ज कराएंगे सांसद राहुल गांधी

सुलतानपुर । (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री एवं पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अमर्यादित बयानबाजी के मामले में संसद में विपक्ष के नेता व सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को यहां जिला एवं सत्र न्यायालय में हाजिर होंगे। एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा के समक्ष वह अपना बयान दर्ज कराएंगे।

कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी बीजेपी नेता विजय मिश्र ने वकील संतोष पांडेय के जरिए राहुल गांधी के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में चार अगस्त 2018 को मानहानि का वाद दायर किया गया था। आरोप है कि साल 2018 में उन्होंने कर्नाटक में एक जनसभा में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को हत्या का आरोपी कहा था। आरोपों पर प्रथम दृष्टया संज्ञान लेते हुए बीते साल कोर्ट ने उन्हें समन जारी कर विचारण के लिए तलब किया था। कोर्ट में राहुल गांधी की जमानत हो चुकी है। शुक्रवार को उनका बयान दर्ज होना है। राहुल गांधी के आगमन को लेकर गुरुवार को सुरक्षा कर्मियों ने दीवानी कोर्ट की सुरक्षा का जायजा लिया। दोपहर में कोर्ट के सुरक्षा प्रभारी एसआई शारदेंदु द्विवेदी, एसपीजी, एलआईयू के कर्मी और कोतवाली नगर पुलिस ने सुरक्षा का जायजा लेते हुए बारीकियां देखीं। राहुल गांधी के वकील केपी शुक्ला ने बताया कि एसपीजी की विशेष सुरक्षा में शुक्रवार दिन में 11 बजे दीवानी कोर्ट में राहुल गांधी के पहुंचने की संभावना है। उधर, परिवादी के वकील संतोष पांडेय को भी शुक्रवार को कोर्ट पहुंचने के लिए सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। सूचनाधिकारी डा. धीरेंद्र यादव ने बताया कि राहुल गांधी के आगमन को लेकर शासन से प्रोटोकाल प्राप्त हुआ है। प्रशासन अपने स्तर पर उस पर कार्यवाही कर रहा है।

कहीं 26 जुलाई की ना हो जाए पुनरावृति, अगले 24 घंटे मुंबई के लिए अहम, मीठी नदी खतरे के निशान पर

मुंबई। (एजेंसी)

26 जुलाई 2005 का वो मंजर जब मुंबई एवं आसपास का उपनगर भारी बारिश और बाढ़ से तबाह हो गया था। पूरे शहर में हाहाकार मचा हुआ था। कुर्ला में मीठी नदी के अलावा, बांद्रा पश्चिम में बांद्रा तलाब ओवरफ्लो हो गया था, जिससे पानी लगातार बाहर आ रहा था और शहरी इलाका लगातार डूबता जा रहा था। आज इस घटना को बीते 19 साल हो रहे हैं, अब एक बार फिर उसी 26 जुलाई की पुनरावृति होने की आशंका बढ़ गई है. दरअसल अगले 24 घंटे मुंबई के लिए अहम हैं. मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में मुंबई में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. मौसम विभाग की ओर से यह भी अनुमान लगाया गया है कि मुंबई के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है. इस दौरान मुंबई शहर और उपनगरों में हवा की गति 60 से 70 किमी प्रति घंटा हो सकती है। अगर समुद्र में ज्वार (हाई टाइड) के दौरान बारिश होती है तो मुंबई में जलभराव की आशंका है.

- मीठी नदी खतरे के निशान पर

मुंबई में मीठी नदी खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है. मीठी नदी का खतरनाक स्तर 2.7 मीटर है. जबकि मीठी नदी इस समय 2.6 मीटर के स्तर पर पहुंच गई है.. इसलिए कुर्ला के पास की बस्तियों को अलर्ट कर दिया गया है. मुंबई महानगरपालिका के कर्मचारी माइक पर अनाउंसमेंट कर चेतावनी दे रहे हैं. मनपा की ओर से कुर्ला में मीठी नदी क्षेत्र के नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का काम चल रहा है. मीठी नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण प्रशासन की ओर से एहतियात बरती जा रही है. कुर्ला इलाके में मीठी नदी क्षेत्र के नागरिकों को हटाने का काम शुरू हो गया है. लेकिन नागरिकों ने

अपना घर छोड़ने से इनकार कर दिया है.

फिर बढ़ी अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत, वीसी के जरिए हुए पेश

नई दिल्ली।

दिल्ली आबकारी नीति मामला में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ा दी है। केजरीवाल को तिहाड़ जेल से वीसी के जरिए पेश किया गया। अरविंद के जरीवाल को जमानत मिलने के बाद उन्हें दो जून को फिर से अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद तिहाड़ जेल जाना पड़ा था। इसके बाद से लगातार आम आदमी पार्टी (आप) विरोध प्रदर्शन कर रही है। केजरीवाल को निचली अदालत के जमानत देने के फैसले पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी, वहीं दूसरी तरफ सीबीआई की पूछताछ के बाद लग रहा है कि केजरीवाल के जेल से बाहर आने में अभी और समय लग सकता है। नई आबकारी नीति घोटाले के आरोपों के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 20 जुलाई, 2022 को मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। जिसके बाद 17 अगस्त 2022 को सीबीआई ने शिकायत दर्ज की थी जिसमें दिल्ली के तत्कालीन डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोपी नंबर-1 बनाया था। आरोप है कि आबकारी नीति के निर्माण के चरण के दौरान पूर्व डिप्टी सीएम सिसोदिया और अन्य अज्ञात और अनाम निजी व्यक्तियों व संस्थाओं समेत आप नेताओं द्वारा एक आपराधिक साजिश रची गई थी और साउथ लॉबी के शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाया। बदले में करोड़ों की रिश्वत लेकर चुनाव में खर्च किया गया। आबकारी मामले में आप के दो बड़े नेता संजय सिंह और मनीष सिसोदिया पहले से जेल में हैं। सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को मनीष सिसोदिया और चार अक्टूबर 2023 को ईडी ने संजय सिंह को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

ईरान के पूर्व राष्ट्रपति अहमदीनेजाद की हत्या की साजिश नाकाम!

तेहरान। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद पिछले हफ्ते एक हत्या की कोशिश से बाल-बाल बच गए, जब उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। यह जानकारी ईरान इंटरनेशनल के सूत्रों ने दी। जिसके मुताबिक उनकी गाड़ी में फिल्मी स्टाइल में गड़बड़ी की गई थी। जिससे वह रास्ते में हादसे का शिकार हो जाए। ईरान इंटरनेशनल के सूत्रों के अनुसार, करज-काज़विन राजमार्ग पर लगभग एक चौथाई रास्ते पर अहमदीनेजाद के सहयोगियों और अंगरक्षकों को ले जा रही टोयोटा लैंड क्रूजर के चालक ने अचानक स्टीयरिंग और ब्रेक दोनों पर नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित टोयोटा ने तेज गति वाले ट्रैफिक में तीन बार चक्कर लगाया, दो बार बाएं और दाएं मुड़ी, केंद्रीय बैरियर से टकराई और अहमदीनेजाद के काफ़िले में शामिल एक अन्य वाहन से टकराई। इसके बाद यह एक प्यूजो कार से टकराने के बाद फिर से बैरियर से टकराई। प्यूजो में सवार एक यात्री को चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया। सौभाग्य से, चोटें मामूली थीं और व्यक्ति को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

बाप रे बाप... दुनिया का सबसे गर्म दिन रहा रविवार का

वॉशिंगटन। गत रविवार को पृथ्वी का सबसे गर्म दिन दर्ज हुआ है, जो पिछले कुछ वर्षों में टूटे कई तापमान रिकॉर्ड में एक और इजाफा है। यह जानकारी यूरोपीय जलवायु सेवा कॉपरनिकस ने दी। रविवार 21 जुलाई को पिछले 100,000 वर्षों में सबसे गर्म दिन माना जा सकता है। कॉपरनिकस के अनुसार, साल 2024 बेहद गर्म रहा है, लेकिन रविवार को नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाला मुख्य कारण सामान्य से अधिक गर्म अंटार्कटिक सर्दी थी। पिछले साल भी जब जुलाई की शुरुआत में रिकॉर्ड सेट हुआ था, तब भी दक्षिणी महाद्वीप में यही स्थिति थी। रविवार को केवल अंटार्कटिका ही नहीं गर्म था कैलिफोर्निया के आंतरिक क्षेत्रों में भी तापमान तीन अंकों में पहुँच गया था, जिससे अमेरिका के पश्चिमी हिस्से में दो दर्जन से अधिक आग की घटनाओं को और जटिल बना दिया। वर्तमान में यूरोप भी अपनी खुद की घातक हीट वेव से जूझ रहा था। 2024 के पहले छह महीनों ने पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ते हुए, तापमान में और भी अधिक वृद्धि दर्ज की है। कोपरनिकस के अनुसार, 2024 के पहले छह माह में दर्ज हुआ तापमान पिछले वर्षों के रिकॉर्ड से भी अधिक गर्म था, जो एक नया चौंकाने वाला माप है। प्रारंभिक डेटा के अनुसार, रविवार को वैश्विक औसत तापमान 17.09 डिग्री सेल्सियस (62.76 डिग्री फारेनहाइट) था, जो पिछले साल 6 जुलाई, 2023 को स्थापित रिकॉर्ड को 0.01 डिग्री सेल्सियस (0.02 डिग्री फारेनहाइट) तोड़ता है। बता दें कि कॉपरनिकस एक प्रमुख यूरोपीय जलवायु सेवा है, जो जलवायु और मौसम संबंधी डेटा की निगरानी करती है। कॉपरनिकस का डेटा विश्वसनीय और वैज्ञानिक रूप से सटीक माना जाता है। अनुमान है कि 2024 के 2023 को सबसे गर्म वर्ष के रूप में पार करने की 92 प्रतिशत संभावना है। पिछले 13 महीनों के तापमान में भारी वृद्धि ने हमें अपरिचित क्षेत्र में ला दिया है। सामान्य से अधिक गर्म अंटार्कटिक सर्दी ने रविवार के तापमान को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। अत्यधिक गर्मी के कारण ग्लेशियरों का घिघलना, समुद्र के स्तर में वृद्धि और जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक अत्यधिक गर्मी से हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके अलावा फसलों पर नकारात्मक प्रभाव और जल संसाधनों की कमी हो सकती है।

मॉस्को कार बम विस्फोट का संदिग्ध गिरफ्तार, संभावित प्रत्यर्पण की तैयारी

मॉस्को। मॉस्को कार बम विस्फोट मामले में आरोपी येवगेनी सेरेबीकोव को बोडरम में गिरफ्तार किया गया। उसके संभावित प्रत्यर्पण की तैयारी हो रही है। इसके पहले दिन में, उत्तरी मॉस्को में सिन्याविंस्काया स्ट्रीट पर एक घर के आंगन में हुए एक कार विस्फोट में दो लोग घायल हो गए थे। रूसी आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, कार में रखे हुए एक अज्ञात वस्तु में विस्फोट हुआ था। मॉस्को की ज़मोस्कोवोत्स्की अदालत ने कहा कि उसने सेरेबीकोव को उसकी अनुपस्थिति में गिरफ्तार किया था।

वियतनाम में बाढ़ से 2 लोगों की मौत, 5 लापता

हनोई। वियतनाम के उत्तरी पर्वतीय प्रांत दीपन बिएन में अचानक आई बाढ़ में करीब दो लोगों की मौत हुई, जबकि पांच अन्य लापता हो गए। रिपोर्ट में कहा गया कि दो अन्य लोग घायल हो गए। दीपन बिएन जिले के चार गांवों में रात में अचानक बाढ़ आ गई। गुरुवार सुबह तक, 10 स्थानीय घर पूरी तरह से ढह गए, जबकि 40 हेक्टेयर से अधिक कृषि उपज नष्ट हो गई। खोज और बचाव मिशन में लगभग 100 लोगों को शामिल किया गया है।

10 अवैध प्रवासी की बाढ़ में डूबने से मौत

पनामा सिटी। लैटिन अमेरिका के पनामा में डेरियन गैप पैदल पार करते समय 10 अवैध प्रवासी नदी में अचानक आई बाढ़ में डूब गये। राष्ट्रीय सीमा सेवा ने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय सीमा सेवा के अनुसार, पीड़ितों के शवों को प्रवासी तस्करों से संबंध को छिपाने के लिए दफना करने के बाद सार्वजनिक मंत्रालय को घटना के बारे में जानकारी मिली। उल्लेखनीय है कि पूर्वी पनामा के डेरियन प्रांत का क्षेत्र दलदल जैसे जंगल और कीचड़ वाले रास्तों के कारण बेहद जोखिम भरा है। पनामा के अधिकारी प्रवासियों को अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्थापित एक वैकल्पिक मानवीय गलियारे के माध्यम से उन्हें बाहर निकालने कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ प्रवासी अधिक खतरनाक मार्ग चुनते हैं। राष्ट्रीय प्रवासन सेवा के आंकड़ों के अनुसार, मध्य अमेरिका और मैक्सिको को पार करके अमेरिका पहुंचने के लिए इस साल जनवरी से 22 जुलाई के बीच 216,000 से अधिक अवैध प्रवासियों ने खतरनाक यात्रा की।

चीन के चांग 'ई-5 ने चंद्रमा पर खोजा पानी, दशकों पहले लिए नमूनों में नहीं थे पानी के संकेत

बीजिंग। चीनी ने चंद्रमा की मिट्टी में पानी के अणुओं की एक अभूतपूर्व खोज की है। इसे एक ऐसी खोज माना जा रहा है, जो चंद्रमा के विकास के बारे में हमारी समझ को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है। यह खोज 2020 में चीन के चांग 'ई-5 मिशन द्वारा वापस लाए गए चंद्र मिट्टी के नमूनों पर किए गए अध्ययनों पर आधारित थी। यह लंबे समय से चली आ रही इस धारणा को चुनौती देती है कि चंद्रमा पूरी तरह से सूखा है और पानी केवल बर्फ के रूप में मौजूद है। इसे अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि चीन ने चंद्रमा की मिट्टी को नासा के साथ साझा करने से इनकार किया है। यह वही नासा है, जिसने 2020 तक चंद्रमा पर पानी की मौजूदगी से इनकार किया था।दशकों पहले, अमेरिकी अपोलो अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के नमूने वापस लाए थे, जिनमें पानी के कोई संकेत नहीं थे। इससे वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला कि चंद्रमा की मिट्टी पूरी तरह से सूखी थी। इस निष्कर्ष का समर्थन नासा ने किया, जिसने दावा किया कि चंद्रमा की सतह पर पानी की कमी है। हालांकि, प्रौद्योगिकी में प्रगति और आगे के अन्वेषणों ने धीरे-धीरे इस धारणा को चुनौती देना शुरू कर दिया है। चांग 'ई-5 मिशन, जिसने 2020 में चंद्रमा के निकटवर्ती भाग से चंद्र नमूने प्राप्त किए, ने पानी की उपस्थिति की जांच करने का एक नया अवसर प्रदान किया है। ये नमूने पिछले अपोलो और सोवियत लूना मिशनों द्वारा एकत्र किए गए नमूनों की तुलना में कम उम्र के और उच्च अक्षांश से थे। बीजिंग नेशनल लेबोरेटरी फॉर कंडेन्स्ड मैटर फिजिक्स और इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स ऑफ द चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध को 16 जुलाई को नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित किया गया था। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन द्वारा प्रदान किए गए नमूने का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने 1,000 से अधिक खनिज क्लेस्ट को अलग किया। इनमें एक प्लेट जैसा पारदर्शी क्रिस्टल था, जिसे अज्ञात तक्ष खनिज नाम दिया गया था, जिसमें पानी के अणु थे। टीम ने स्थलीय स्रोतों या रॉकेट निकास से संदूषण को खारिज कर दिया, यह सुझाव देते हुए कि पानी युक्त खनिज चंद्रमा पर उत्पन्न हुआ था।2009 में, भारत के चंद्रयान-1 अंतरिक्ष यान ने हाइड्रेटेड खनिजों के संकेतों का पता लगाया, जो चंद्रमा के सूर्य के प्रकाश वाले क्षेत्रों में पानी के अणुओं की उपस्थिति का संकेत देते हैं।

लाओस में 57 वीं आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक यहां के नेशनल कवेंशन सेंटर में हुई। इसमें आसियान महासचिव सहित कई देशों के विदेश सचिव शामिल हुए।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को भारत के कुछ क्षेत्रों की यात्रा करने से रोका

वॉशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने नागरिकों को भारत-पाकिस्तान सीमा और देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों की यात्रा न करने को कहा है। जहां नक्सलवादी सक्रिय हैं। विदेश विभाग ने कहा कि अपराध और आतंकवाद के कारण भारत में ज्यादा सावधानी बरतें। कुछ क्षेत्रों में जोखिम बढ़ गया है। अमेरिका ने भारत को लेवल 2 पर रखा है लेकिन कई हिस्सों को लेवल 4 में जिसमें जम्मू-कश्मीर, भारत-पाक सीमा, मणिपुर और मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्से हैं। इनकी यात्रा न करें। आतंकवादी बिना किसी चेतावनी के हमला कर सकते हैं। वे पर्यटक स्थलों, परिवहन केंद्रों, बाज़ारों व शॉपिंग मॉल को निशाना बनाते हैं। विदेश विभाग ने कहा कि हिंसा और अपराध के खतरे के कारण मणिपुर की यात्रा न करें। भारत में यात्रा करने वाले अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को मणिपुर जाने से पहले पूर्व अनुमति लेनी होगी। भारत सरकार विदेशी पर्यटकों को एलओसी के साथ कुछ क्षेत्रों में जाने की अनुमति नहीं देती है। नक्सली भारत के एक बड़े क्षेत्र में सक्रिय हैं, जो पूर्वी महाराष्ट्र और उत्तरी तेलंगाना से लेकर पश्चिमी पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ है। अमेरिकी सरकार के कर्मचारियों को महाराष्ट्र के पूर्वी क्षेत्र और मध्य प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र की यात्रा करने के लिए भी अनुमति की जरुरी है। भारत में यात्रा करने वाले अमेरिकियों को सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश राज्यों के साथ-साथ असम, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय और त्रिपुरा के बाहर किसी भी क्षेत्र में जाने से पहले पूर्व अनुमति की लेनी होगी।

इंडो-पैसिफिक में और मजबूत होगी साझेदारी, जयशंकर-एनरिक मैनलो की मुलाकात से चीन को मिर्ची लगना तय है

वियनतियाने (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को फिलीपींस के विदेश सचिव एनरिक मैनलो के साथ बैठक की और दोनों देशों के बीच सहयोग और इंडो-पैसिफिक में साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि आज वियनतियाने में फिलीपींस के मेरे मित्र सेकमैनलो से मिलकर खुशी हुई। हमारे दोनों लोकतंत्रों के बीच मजबूत सहयोग और इंडो-पैसिफिक में साझेदारी, विशेष रूप से कानून के शासन और आसियान केंद्रीयता को बनाए रखने पर चर्चा की।

जयशंकर ने आसियान बैठकों से इतर तिमोर लेस्ते समकक्ष बेंडिटो फ्रीटास के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने इंडो-पैसिफिक में साझा प्राथमिकताओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया। फ्रीटास के साथ अपनी बैठक के बारे में विवरण साझा करते हुए, जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि #ASEAN बैठकों के मौके पर तिमोर लेस्ते के एफएम बेंडिटो फ्रीटास से मिलकर खुशी हुई। हमारा दिल्ली से दिल्ली की दोस्ती में विविधता और गहराई जारी है, साथ ही भारत-प्रशांत क्षेत्र में हमारी साझा प्राथमिकताओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

इससे पहले दिन में, जयशंकर दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण आसियान-तंत्र की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस के वियनतियाने पहुंचे। उन्होंने आसियान देशों के साथ भारत के जुड़ाव को आगे बढ़ाने के बारे में आशावादव्यक्त किया, जो एक्ट ईस्ट पॉलिसी की दशक लंबी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आसियान-तंत्र की बैठकों में भाग लेने के लिए वियनतियाने, लाओस पहुंचे। आसियान के साथ भारत के संबंधों को और गहरा करने के लिए तत्पर हैं क्योंकि हम एक्ट ईस्ट पॉलिसी के एक दशक पूरे कर रहे हैं।

राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर होने के बाद बाइडेन बोले-नई पीढ़ी को सौंप दी मशाल

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद बाइडेन ने 10 मिनट के संबोधन के दौरान वचन दिया कि वह अपने कार्यकाल के अंतिम छह महीने यह सुनिश्चित करने में बिताएंगे कि अमेरिका मजबूत, सुरक्षित और स्वतंत्र दुनिया का अग्रणी देश बना रहे। उन्होंने कहा, लोकतंत्र की रक्षा किसी भी पद से अधिक महत्वपूर्ण है. मैं अमेरिकी लोगों के लिए काम करने से शक्ति प्राप्त करता हूं, लेकिन यह पवित्र कार्य मेरे बारे में नहीं है। यह आपके बारे में है। आपके परिवारों के बारे में है. आपके भविष्य के बारे में है। यह हम लोगों के बारे में है।

बाइडेन ने बुधवार रात ओवल ऑफिस में पहली बार अमेरिकियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वह नई पीढ़ी को मशाल सौंप रहे हैं। बाइडेन ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति पद के प्रति सम्मान रखते हैं, लेकिन अपने देश से ज्यादा प्यार करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ओवल ऑफिस से उन्होंने कहा, मैंने तय किया है कि आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका नई पीढ़ी को मशाल सौंपना है। उन्होंने आगे कहा, यह हमारे राष्ट्र को एकजुट करने का सबसे अच्छा तरीका है।

बाइडेन की जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो गई हैं और बाइडेन ने उन्हें अपना पूरा समर्थन देने की पेशकश की है। हैरिस ने तब से अपने अभियान के लिए 126 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए हैं और डेमोक्रेटिक पार्टी के नामांकन को जीतने के लिए जरूरत से अधिक प्रतिनिधि प्राप्त कर लिए हैं। दौड़ से बाहर निकलने के अपने निर्णय के बारे में बात करते हुए बाइडेन ने कहा कि उनका हमेशा से दूसरे कार्यकाल का इरादा था, लेकिन मेरा मानना है कि यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है कि मैं पीछे हट जाऊं और अपने कार्यकाल का शेष समय राष्ट्रपति के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने में फोकस करूं।उन्होंने कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन पर कब्जा करने से रोकने के लिए सहयोगियों को एकजुट करना जारी रखेंगे और गाजा में युद्ध को समाप्त करने और मिडिल ईस्ट में शांति लाने के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका सपने देखने वालों और काम करने वालों का देश बना हुआ है। जब बाइडेन बोल रहे थे, तब फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन, बेटा हंटर बाइडेन और उनके परिवार के अन्य सदस्य ओवल ऑफिस में ही खड़े थे।

टूडो को मिली धमकी तो बौखलाया, खालिस्तानियों पर चुप्पी, कनाडा के दोहरे रवैये की भारत ने खोल दी पोल

लंदन। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ ऑनलाइन धमकियों के लिए दो लोगों को तुरंत गिरफ्तार किए जाने के बाद भारत ने कनाडा पर दोहरे मानकों का आरोप लगाया है। राष्ट्र भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाले खालिस्तानी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने से हिचक रहा है। कनाडा द्वारा प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और अन्य नेताओं को ऑनलाइन धमकी देने के लिए दो व्यक्तियों पर आरोप लगाए जाने की खबरों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने ये रिपोर्ट देखी हैं। जब कोई लोकतंत्र कानून के शासन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मापने के लिए अलग-अलग मानदंड अपनाता है, तो यह केवल उसके दोहरे मापदंड को ही उजागर करता है। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जिन्होंने बार-बार भारतीय नेताओं, संस्थानों, एयरलाइनों और राजनयिकों को हिंसा के द्वारा धमकाने का प्रयास किया है। हम चाहते हैं कि हमें मिलने वाली धमकियों पर भी उसी स्तर की कड़ी कार्रवाई हो। उन्होंने आगे कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जिन्होंने बार-बार भारतीय नेताओं, संस्थानों, एयरलाइंस और राजनयिकों को हिंसा के जरिए धमकी दी है। हम कड़ी कार्रवाई देखना चाहेंगे, हमारे सामने आने वाले खतरों पर भी उसी स्तर की कार्रवाई होगी। ट्रूडो और अन्य कनाडाई राजनीतिक नेताओं के खिलाफ ऑनलाइन धमकी जारी करने के लिए अल्बर्टा के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

रुसी सेना में भर्ती हो जाओ.... 18 लाख रुपये का बोनस पाओ

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन जंग से रूस को भारी नुकसान उठना पड़ रहा है। दो साल से ज्यादा समय से चल रही जंग में दोनों ओर से कई सैनिक मारे गए हैं। इसके बाद सेना में सैनिकों की संख्या बढ़ाने के लिए, रूसी अधिकारी नए सिपाहियों को रिकॉर्ड बोनस ऑफर कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बयान जारी कर शहर के रहने वालों को सेना में भर्ती होने पर एक बार में 1.9 मिलियन रूबल (लगभग 18,41,697 रुपये) का बोनस देने की घोषणा की। नए सिपाहियों को उनकी पहली साल की सेवा में 5.2 मिलियन रूबल (49,89,324.60 रुपये) तक का ऑफर किया जा रहा है। इसके अलावा, युद्ध में घायल होने वालों को उनकी चोटों की गंभीरता के आधार पर 4,76,329.82 रुपये से 9,53,496.77 रुपये तक का एकमुश्त भुगतान मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवारों को 28,58,816.03 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

रुसी सरकार सैनिकों के मारने की संख्या छुपा रही है, लेकिन अनुमानों के मुताबिक सैनिकों की मौत की संख्या अधिक है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिर्फ मई और जून में ही 70,000 से ज्यादा सैनिक मारे गए या घायल हुए, क्योंकि रूस को खारकीव इलाके में भारी नुकसान हुआ। दिसंबर में कांग्रेस को दी गई अमेरिकी खुफिया जानकारी के मुताबिक रूस ने जंग शुरू होने से अब तक अपने सक्रिय जमीनी सैनिकों के 87 प्रतिशत और अपने टैंकों के दो-तिहाई हिस्से को खो दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है, सोशल मीडिया पर ड्रोन के वीडियो आ रहे हैं, इसमें रूसी सैनिक यूक्रेनी सेना के खिलाफ भयंकर लड़ाई में मारे जा रहे हैं या बुरी तरह घायल हो रहे हैं। यूक्रेनी सैनिकों ने बताया कि उन्हें रूसी सैनिकों के भारी हमलों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें उनके कमांडर बेकार सामान की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। इन बढ़ती नुकसानों के चलते, रूस जल्दी से सैनिकों की संख्या बढ़ाना चाह रहा है। पुतिन ने सेना में 170,000 जवान भर्ती करने का आदेश दिया है, इसका मकसद सेना की संख्या 22 लाख से ज्यादा करना है, जिसमें 13.2 लाख सक्रिय सैनिक शामिल हैं।

खालिस्तानी पन्नू की धमकी बोला- मंदिर में तोड़फोड़ की निंदा करने वाले सांसद और हिंदू कनाडा छोड़ दें

टोरंटो (एजेंसी)। खालिस्तानियों ने कनाडा सरकार की नाक में दम कर दिया है। यहां एक मंदिर में खालिस्तान का समर्थन करने वालों ने विवादित नारे लिखे। कुछ ही देर में विवाद बढ़ा और ट्रूडो की पार्टी के सांसद ने इस घटना की निंदा की। इसके बाद पन्नू की धमकी आ गई कि सांसद और उनके हिंदू कनाडा छोड़कर चले जाएं।

हाउस ऑफ कॉमन्स में नेपियन से सांसद चंद्र आर्य ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि सिख फॉर जस्टिस के अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें मांग की गई है कि आर्य और उनके हिंदू-कनाडाई दोस्त भारत वापस चले जाएं। आर्य ने कनाडा में खालिस्तान समर्थकों द्वारा हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की निंदा की थी।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी के सदस्य आर्य ने लिखा, हम हिंदू दुनिया के सभी हिस्सों से अपने अद्भुत देश कनाडा आए हैं। दक्षिण एशिया के हर देश, अफ्रीका और कैरिबियन के कई देशों और दुनिया के कई अन्य हिस्सों से हम यहां आए हैं। कनाडा हमारी भूमि है। उन्होंने कहा, हमने कनाडा के सामाजिक-आर्थिक विकास में बहुत सकारात्मक और उत्पादक योगदान दिया है। यह जारी रखेंगे। हिंदू संस्कृति और विरासत के अपने लंबे इतिहास के साथ हमने कनाडा के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध किया है। आर्य ने कहा कि खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा हमारी भूमि को प्रदूषित किया जा रहा है। वे हमारे कनाडाई चार्टर ऑफ राइट्स द्वारा दी गई स्वतंत्रता की गारंटी का दुरुपयोग कर रहे हैं। बता दें कि खालिस्तान चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत-कनाडा संबंधों में गंभीर तनाव है। निज्जर को पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मार दी गई थी। पिछले साल सितंबर में ट्रूडो द्वारा निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोपों के बाद दोनों देशों के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए थे। भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा कनाडा की धरती से संचालित खालिस्तान समर्थक तत्वों को बेखौफ जगह दे रहा है।

रूस को यूक्रेन पर भरोसा नहीं, जेलेंस्की का बयान विश्वसनीय नहीं-मारिया

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा है कि रूस के साथ संभावित वार्ता पर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का बयान विश्वसनीय नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मारिया का यह बयान हाल ही में जेलेंस्की के उस बयान पर आया है जिसमें जेलेंस्की नवंबर में आयोजित होने वाले दूसरे शांति सम्मेलन में रूसी प्रतिनिधियों को मौजूद रहने का प्रस्ताव दिया था। मारिया ने कहा कि रूस को यूक्रेन के राष्ट्रपति पर भरोसा नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की, उनके प्रशासन या उनके पश्चिमी वयूरेटरों ने रूस के साथ बातचीत पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को रद्द करने की कोई कार्रवाई नहीं की है। यूक्रेनी राष्ट्रपति और कीव के पश्चिमी सहयोगी एक बार फिर अपने असफल शांति फार्मूले को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

कमला हैरिस को जमकर मिला चंदा, फिर भी ट्रंप को हराने के लिए पैसों का पड़ेगा टोटा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहीं भारतीय मूल की कमला हैरिस को जमकर चंदा मिल रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह संभावना वास्तविकता बन जाए हैरिस समर्थकों ने डेमोक्रेटिक पार्टी को जमकर चंदा भेजना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट ने यह भी खुलासा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के दौड़ से हटने के बाद से डेमोक्रेट्स के लिए फंडिंग में एक बड़ा बदलाव देखा गया है। हैरिस के एक सलाहकार ने बताया कि पार्टी में कमला हैरिस के विरोधी भी उनके अभियान में योगदान देने के लिए अपनी जेबें खोल रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म ने रविवार को बाइडन की घोषणा के बाद सिर्फ सात घंटों में लगभग 47 मिलियन डॉलर जुटाने की सूचना दी। एक स्थानीय अखबार ने खुलासा किया कि रविवार और सोमवार के दौरान, प्लेटफॉर्म ने सभी उम्मीदवारों और कारणों के लिए कुल मिलाकर लगभग 67 मिलियन डॉलर का दान दर्ज किया। हैरिस के अभियान ने रविवार और सोमवार शाम के बीच अपनी सभी धन उगाने वाली समितियों में 100 मिलियन डॉलर जुटाने की सूचना दी। जो मैनहट्टन व्यापार धोखाधड़ी मामले में मई में दोषी ठहराए जाने के बाद ट्रम्प के अभियान द्वारा जुटाए गए 53 मिलियन डॉलर से काफी ज्यादा है।

अगर अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी अगस्त में शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनती है, तो यह अमेरिकी लोकतंत्र के दो सदियों के इतिहास से अधिक समय में केवल दूसरी बार होगा, जब अमेरिकी मतदाता यह चुनाव कर सकेंगे कि वे अपना नेतृत्व करने के लिए किसी महिला को चुनेंगे या नहीं। उन्होंने केवल एक अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा को चुना है, मगर कभी किसी महिला को नहीं चुना है। अगर कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनी जाती हैं, तो वे न केवल अमेरिकी राजनीति में सबसे कठिन परीक्षा को पार करेंगी, बल्कि वे पहली भारतीय अमेरिकी, पहली एशियाई, पहली अश्वेत महिला और जमैका मूल की पहली व्यक्ति भी बनेंगी, जो इस पद पर पहुंचेंगी। हैरिस के अभियान के अनुसार 111 मिलियन से ज्यादा दानदाताओं ने इसमें योगदान दिया, जिनमें से 62 फीसदी इस चुनाव चक्र में पहली बार दान करने वाले थे। एजेंसियों के पोल में पाया गया कि कमला हैरिस ने रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प पर मामूली दो प्रतिशत अंकों की बढ़त हासिल की है। राष्ट्रीय सर्वेक्षण में ट्रम्प को 42 और हैरिस को 44 फीसदी समर्थन मिला है। बहरहाल मतदाताओं में से 56 फीसदी ने इस कथन पर सहमति जताई कि 59 वर्षीय हैरिस मानसिक रूप से तेज हैं और चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं।

जबकि 49 फीसदी ने 78 वर्षीय ट्रंप के बारे में यही कहा। बहरहाल इससे ट्रंप पर कोई असर नहीं पड़ा है, जो मानते हैं कि कमला हैरिस को हराना 'आसान होगा।'

बजट में रक्षा क्षेत्र के साथ हुआ न्याय

आर.के. सिन्हा

पहले भारत को हथियार आयातक राष्ट्र के रूप में जाना जाता था। लेकिन, आज भारत अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आ गया है और हमने हथियार निर्यातक शीर्ष-25 देशों की सूची में जगह बना ली है। कुछ साल पहले तक भारत के रक्षा क्षेत्र का निर्यात 1, 000 करोड़ रुपये तक भी नहीं पहुंच पाता था, जबकि आज यह 16, 000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सरकार को 2028-29 तक वार्षिक रक्षा उत्पादन तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात 50, 000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की आशा है।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का साल 2024-25 का बजट पेश करते हुए रक्षा क्षेत्र के लिए 4.54 लाख करोड़ का प्रस्ताव किया। यह संयोग ही है कि कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) से चंदिक दिन पहले ही संसद में पेश....

आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए ठीक-ठाक राशि का ही प्रस्ताव किया गया। भारत अपने रक्षा बजट की किसी भी सूरत में अनदेखी नहीं कर सकता। कारण हम सबको पता है। हमारे दो गैर-जिम्मेदाराना हरकतों के लिये कुख्यात पड़ोसी-चीन और पाकिस्तान भारत के कट्टर शत्रु देश हैं। इनसे भारत के कई युद्ध भी हो चुके हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान तो भारत में आतंकवाद को लगातार हवा-पानी देता रहता है। यह हमने हाल ही में जम्मू में भी देखा। जम्मू क्षेत्र में आतंकी हमलों में वृद्धि के मद्देनजर, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने विगत 20 जुलाई को जम्मू का दौरा भी किया था। वह वहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने आला सैनिक अफसरों के साथ आतंकवाद को कुचलने की रणनीति पर भी बातचीत की थी। जम्मू में इस साल छह अलग-अलग आतंकी हमलों में 11 सशस्त्र बल कर्मियों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा, पिछले महीने आतंकियों ने रियासी में एक बस पर फायरिंग की थी। इसके बाद बस के खाई में गिरने से 9 यात्रियों की मौत हो गई थी। इसके अलावा अक्टूबर 2021 से आतंकवादी डोडा, कठुआ और रियासी जैसे क्षेत्रों में और भी अंदर तक पहुंच गए हैं। पिछले महीने जनरल मनोज पांडे से सेना प्रमुख के रूप में पदभार संभालने के बाद से जनरल द्विवेदी का जम्मू क्षेत्र का यह दूसरा दौरा था। तो बहुत साफ है कि भारत के रक्षा क्षेत्र के सामने बहुत चुनौतियां है। उसे पाकिस्तान और चीन की करतूतों से लगातार लड़ना पड़ता है। भारत की पाकिस्तान से 1947, 1965, 1971 और फिर कगरिल में जंग हुई। चीन से भी हमारी भीषण जंग 1962 में हुई। कुछ साल पहले चीन से डोकलम में भी लड़ाई की ही नौबत आ चुकी थी। लेकिन, भारत की कुशल कूटनीति से युद्ध टल गया था। भारत के चीन और पाकिस्तान से कई विषयों पर विवाद हैं। इसीलिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने समझदारी पूर्वक रक्षा बजट

के लिए एक बड़ी राशि देने का प्रस्ताव रखा।

चीन ने 1962 की जंग के बाद हमारे अक्सईचिन पर अपना जबरदस्ती कब्जा जमा लिया था। यह क्षेत्र 37, 244 वर्ग किलोमीटर है जिसमें अनेक गलैशियर भरे पड़े हैं। यह पूरे कश्मीर घाटी जितना बड़ा इलाका है। भारत को उस चीन द्वारा जबरदस्ती ढंग से कब्जाए क्षेत्र को वापस तो लेना ही है। चीन हमारे अरुणाचल प्रदेश पर भी गिद्ध दृष्टि रखता है। तो भारत को अपने रक्षा बजट को निरंतर बढ़ाने के साथ सेना के सभी अंगों को और मजबूत तो करना ही होगा। इस बारे में कोई बहस संभव नहीं है।

भारत लगातार अपने रक्षा क्षेत्र को बदलते वक्त के साथ तैयार भी कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीए) पद सर्जित करने की घोषणा की थी। यह कदम भारतीय सशस्त्र बलों में आपसी तालमेल को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। हालांकि यह पहल कारगिल युद्ध के 18 साल बाद हुई। आप जानते हैं कि कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान के गले में अंगूठा डाल दिया था। कारगिल युद्ध भारतीय सेना और राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों के लिए एक बड़ा झटका था। 84 दिनों तक चला यह युद्ध 15, 000 फीट की ऊँचाई पर 200 किलोमीटर लम्बी सीमा पर लड़ा गया। यह युद्ध भारतीय सेना के लिए प्रमुख सुधारों और नवीनीकरण का उत्प्रेरक बना। देश की सरहदों की निगाहबानी करने वालों के लिए कारगिल का सबसे बड़ा सबक था -अप्रत्याशित की उम्मीद करना। भारतीय सेना ने कभी नहीं सोचा था कि जनरल परवेज मुशर्रफ के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना कारगिल सेक्टर में घुसपैठ करेगी। कारगिल युद्ध का एक महत्वपूर्ण सबक यह भी था कि भारत को आधुनिक हथियारों और गोला-बारूद में आत्मनिर्भर होना होगा।

यह तो जाहिर है कि भारत सरकार ?क्षा क्षेत्र के सामने कभी धन की कमी महसूस नहीं होने देती। जब देश के इर्द-गिर्द दो बड़े शत्रु राष्ट्रों की सरहदें मिलती हो तब भारत से यह अपेक्षा करना उचित ही नहीं होगा कि वह अपने रक्षा बजट में कटौती करने की सोचे भी। अगर बात आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए धन की आवंटन से हटकर करें, तो भारत को अपने रक्षा क्षेत्र में लगातार सुधार करते ही रहना होगा। यह अच्छी बात है कि सरकार सेना, नौसेना और वायु सेना के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो संकट के समय में उनके बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा। पहले तीनों सेनाएं अपने-अपने स्तर पर काम करती थीं। मौजूदा सरकार ने उनके एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया, जो लीक से हटकर कर एक अलग कदम था और यह समय की मांग भी थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा भी था सेना के तीनों अंगों में समन्वय का काम थोड़ा कठिन था; लेकिन, अब हमारी सेना बेहतर समन्वय के साथ हर चुनौती से निपटने के लिए मिलकर काम करने को तैयार रहती है।

कुछ लोगों का विचार था, स्वदेशी हथियार विश्व स्तरीय नहीं होंगे; लेकिन, वर्तमान सरकार घरेलू उद्योग की क्षमताओं में विश्वास करती है। यह जान लीजिए कि कोई भी सेना बाहर से आयातित उपकरणों से अपने देश की रक्षा नहीं कर सकती है और आज के समय में भारत के लिए रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता आवश्यक है। आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार के लगातार प्रयास अब लाभ देने लगे हैं, क्योंकि; भारत का रक्षा उत्पादन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है।

उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित करने जैसी पहल के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि आधुनिक सैन्य साजो-सामान न केवल भारत में निर्मित हो, बल्कि उन्हें मित्र देशों को भी निर्यात किया जाए। पहले भारत को हथियार आयातक राष्ट्र के रूप में जाना जाता था। लेकिन, आज भारत अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आ गया हैं और हमने हथियार निर्यातक शीर्ष-25 देशों की सूची में जगह बना ली है। कुछ साल पहले तक भारत के रक्षा क्षेत्र का निर्यात 1, 000 करोड़ रुपये तक भी नहीं पहुंच पाता था, जबकि आज यह 16, 000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सरकार को 2028-29 तक वार्षिक रक्षा उत्पादन तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात 50, 000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की आशा है।

संक्षेप में इतना ही कहना काफी होगा कि भारत सरकार को अपने रक्षा क्षेत्र पर लगातार फोकस देते रहना ही उचित होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

नीट-यूजी: दोबारा परीक्षा नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी नीट-यूजी 2024 परीक्षा को रद्द करने और दोबारा परीक्षा कराने की मांग संबंधी याचिकाओं को मंगलवार को खारिज करते हुए कहा कि प्रश्नपत्र के व्यवस्थित रूप से लीक होने और अन्य गड़बड़ियों को दशार्ने वाली कोई सामग्री रिकॉर्ड.में नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ड़ीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ताओं नरेंद्र हुड्डा, संजय हेगड़े. और मैथ्यूज नेदुमपरा सहित विभिन्न वकीलों की दलीलें करीब चार घंटे सुनीं। दरअसल, इस मामले में पहले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कर दिया था कि यदि व्यवस्थित रूप से पेपरलीक होने और प्रणालीगत उल्लंघना का पता चलता है, तो यकीनन सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन व्यापक स्तर पर गड़बड़ियां रिकॉर्ड.में न मिलने और प्रणालीगत उल्लंघना न पाने पर संतुष्ट अदालत को नीट-यूजी की परीक्षा दोबारा कराने में कोई ठोस आधार नहीं दिखा। बहरहाल, शीर्ष अदालत ने बीस लाख से ज्यादा छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसले का प्रभावी हिस्से को लिखा और विस्तृत फैसला बाद में सुनाया जाएगा। एनटीए और शिक्षा मंत्रालय पांच मई को आयोजित नीट्-यूजी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक समेत बड़े.पैमाने पर कथित गड़बड़ी को लेकर निशाने पर हैं। एनटीए देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में मेडिकल संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) आयोजित करती है। संतोष की बात है कि काफी दिनों से चले आ रहे इस विवाद का समाधानपरक पटाक्षेप हो गया है, और छात्रों तथा उनके अभिभावकों को राहत मिली है कि मामले में निर्णायक फैसला हो सका है। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस सारे विवाद से एनटीए की छवि दागदार हो गई है। वैसे भी एनटीए द्वारा संचालित और आयोजित कई अन्य परीक्षाओं पर जब-तब कदाचार और धांधलियों के आरोप लगे हैं, परीक्षा परिणाम मिलने में विलंब भी हुए हैं। इससे कई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को बेवजह तनाव का सामना करना पड़ता रहा है। जरूरी है कि सरकार एनटीए की समूची मशीनरी को ज्यादा कारगर और परिणामोन्मुख बनाने पर ध्यान दे। किसी भी सूरत में न्यायसंगत नहीं है कि परीक्षार्थियों को बेवजह के तनाव से दो-चार होना पड़े।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथी है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

आखिर संसद का मौसम गड़बड़ क्यों ?

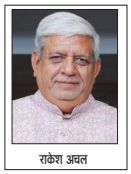

राकेश अचल

संसद के बजट सत्र का मौसम खराब हो रहा है। खासतौर पर लोकसभा का मौसम ठीक नहीं दिखाई दे रहा। तृण मूल कांग्रेस ने तो खराब मौसम की चेतावनी देते हुए सत्ता पक्ष से अपनी-अपनी कुर्सियों की पेटी बाँधने के लिए कहा है। हिचकोले खाती संसद में लोकसभा अध्यक्ष सत्ता पक्ष के सर पर छाता ताने खड़े रहना चाहते हैं ,ताकि सरकार विपक्ष के बादलों के बरसने पर ज्यादा भींगे नहीं।

लोकसभा में अध्यक्ष पद पर श्री ओम बिरला का ये दूसरा कार्यकाल है। वे संसद को कैसे चला रहे हैं , इसके बारे में किसी टिप्पणी की जरूरत नहीं है। ये जानने के लिए सदन की कार्रवाई का सीधा प्रसारण देखकर ही अनुमान लगाया जा सकता है । सदन प्रमुख होने के नाते बिरला जी न तो विपक्ष को संरक्षण दे पा रहे हैं और न सत्ता पक्ष की ही ढंग से चाकरी कर पा रहे हैं। लोकसभा के इतिहास में ओम जी किस रूप में दर्ज किये जायेंगे ,ये कहना कठिन है।

लोकसभा में बुधवार को केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला में तीखी नोकझोंक से इस बात के संकेत एक बार फिर मिले की ओम बिरला जी सदन चलने में असुविधा का अनुभव कर रहे है। विपक्षी सांसदों के बोलते ही लोकसभा अध्यक्ष को लगता है कि वे सरकार के दुश्मन हैं। तृण मूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने चर्चा के दौरान दावा किया कि सदन में तीन कृषि कानूनों पर चर्चा नहीं की जिन्हें बाद में वापस ले लिया गया था । अभिषेक

बनर्जी के दावे पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने आपत्ति जताई और कहा कि इस सदन में तीन कृषि कानूनों पर करीब साढ़े पांच घंटे तक चर्चा हुई। बिरला की दावे पर अभिषेक ने जोर देकर कहा कि चर्चा नहीं हुई तो स्पीकर बोले कि जब अध्यक्ष बोलते हैं तो सही ही बोलते हैं और आपको रिकॉर्ड देखना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रति जैसी थी ठीक वैसा ही वे तृण मूल कांग्रेस के अभिषेक के साथ कर रहे हैं। सत्ता के खिलाफ बोलते ही सत्ता पक्ष की और से लोकसभा अध्यक्ष खुद बचाव की मुद्रा में बोलना शुरू कर देते हैं। वे अक्सर भूल जाते हैं कि लोकसभा अध्यक्ष किसी दी का नहीं बल्कि सभी सांसदों के हितों का संरक्षक होता है। मेरे दिमाग में लोकसभा अध्यक्ष की जो छवि है उसमें पता नहीं क्यों बिरला जी समा नहीं रहे हैं। वे अक्सर संघ की शाखा प्रमुख के हिसाब से बर्ताव करने दिखाई देते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है की उन्होंने संघ की शाखाओं में केंद्रीय कर्मचारियों पर लगे प्रतिबंध की समाप्ति को अपने ऊपर भी लागू कर लिया है।

चर्चा के दौरान अभिषेक बनर्जी ने 2016 में की गई नोटबंदी का जिक्र किया जिस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि माननीय सदस्य आप वर्तमान बजट पर बात करें क्योंकि 2016 के बाद तो काफी समय निकल गया, इसके बाद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कोई पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू की बात बोलेगा तो आप कुछ नहीं कहेंगे और मैं 2016 की नोटबंदी की बात कर रहा हूं तो आप कह रहे हैं कि वर्तमान बजट पर बोलिए। अभिषेक बनर्जी बोले कि ये पक्षपात नहीं चलेगा क्योंकि जब कोई इमरजेंसी के मुद्दे को उठाता है तो आप चुप रहते है। किसी भी लोकसभा अध्यक्ष के लिए ये लज्जा की बात है की सदन का कोई भी सदस्य उनके ऊपर पक्षपात का आरोप लगाए। दुर्भाग्य से ओम जी के साथ ऐसा हर दिन हो रहा है।

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में सदन की नेता सुमित्रा महाजन रहीं। उनसे पहले सुश्री मीरा कुमार ने भी सदन को सुचारु रूप से चलाया । यहां तक की वामपंथी सोमनाथ चटर्जी के कार्यकाल में भी लोकसभा अध्यक्ष की मयार्दा पर ज्यादा सवाल नहीं उठाये गए ,क्योंकि किसी ने भी खुद को सत्तापक्ष का स्पीकर बनाने की गलती नहीं की।भाजपा के मनोहर जोशी भी लोकसभा के सम्मानित अध्यक्ष रहे । कांग्रेस के पीए संगमा तो सबसे जायदा विनोदी लोकसभा अध्यक्ष थे, उनके कार्यकाल में कभी भी सदन में तनाव देखा ही नहीं गया । यहां तक कीटीडीपी के जीएमसी बालकृष्ण योगी ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में एक यादगार भूमिका अदा की। मौजूदा लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी इस परम्परा को आगे बढ़ाने में हिचकोले खा रहे हैं।

अभिषेक बनर्जी ने संबोधन के दौरान बीजेपी पर निशाना साधते हुए सिर्फ इतना कहा कि गठबंधन का मतलब समन्वय होता है और कोई भी उसे मोदी 3.0 नहीं कह रहा। इस सरकार को खुद बीजेपी के मंत्री भी मोदी 3.0 नहीं कर रहे है। ये सरकार काफी अनिश्चित और नाजुक है और कभी भी गिर सकती है । उन्होंने कहा कि सब्र रखिए और कुर्सी की पेटी भी बांध लीजिए क्योंकि मौसम बिगड़ने वाला है। बनर्जी ने ये बात भी विनोद में कही है और इसे विनोद की तरह ही लेना चाहिए था। लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

आपको याद होगा कि माननीय ओम बिरला जी के खाते में सदन के सर्वाधिक सदस्यों को निलंबित करने का आधिकारिक रिकार्ड है । सदस्यों का निलंबन सबसे आखरी विकल्प होता है । सवाल ये है कि जिस भूमिका में ओम जी पिछली लोकसभा में थे वैसे ही क्या वे इस लोकसभा में रह सकते हैं ? मौजूदा लोकसभा में न सत्ता पक्ष प्रचंड बहुमत वाला है और न ही विपक्ष पहले कि तरह कमजोर और बिखरा हुआ है। इस बार विपक्ष को पहले कि तरह सामूहिक निलंबन की सजा नहीं सुनाई जा सकती। बेहतर तो यही है कि ओम जी हिकमत अमली से काम लें । सरकार के साथ विपक्ष को भी दुलारें ,पुचकारें ,हिकमत अमली से काम लें ताकि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटने पाए।

दुर्भाग्य से देश की राजनीति में सौहार्द के स्थान पर अदावत मजबूत होती जा रही है । इसे समाप्त करने या कम करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में पुल का काम कर सकते हैं। लोकतंत्र में अदावत और पक्षपात के लिए सीमित जगह होती है ,इसे प्रोत्साहित करना लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा है।

मुद्दा: कई राज्य वायरस की गिरफ्त में

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है। बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय-समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं।

जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016-17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से छह

मौत 2021 के बाद दर्ज की गई। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है। पिछले कुछ वर्षो में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड-19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता है, मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड-19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं।

देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात-निर्यात पर भी गहरा प्रभाव डालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है, काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैं, जिसका असर कोविड-19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर डालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु-पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है। भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह-जगह जल-भराव की समस्या से ऐडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति-निर्माण आवश्यक है। जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर संक्रमण निवारण केंद्र बनाने की जरूरत है। त्वरित जांच टीम बनाना जरूरी है। जागरूकता अभियान और शिक्षा के माध्यम से शहरों और गांवों में लोगों को इसके बारे में जानकारी देनी चाहिए। गांव, कस्बों में स्वास्थ्य मित्र नियुक्त कर-के महीने में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते रहना चाहिए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरदानी वितरण और दवा का छिड़काव समय-समय पर किया जाना चाहिए ताकि मच्छरों का प्रकोप बढ़ न पाए। मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए जीएम मच्छरों को तैयार करना चाहिए। इंसानों के साथ ही पशु-पक्षियों में पनप रहे संक्रमण को रोकने का भी उपाय करना चाहिए।

-अजय प्रताप तिवारी

कम नींद लेने पर डायबिटीज मरीजों को हो सकती हैं ये दिक्कत

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको कम सेक कम 8 घंटे की नींद लेना चाहिए, नहीं तो आपकी सेहत को भारी नुकसान हो सकता है।

पर्याप्त नींद सेहत की कुंजी होती है। नींद खराब यानी आपकी सेहत खराब। नींद की कमी के कारण हम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। खासकर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको पर्याप्त नींद लेना काफी जरूरी होता है,नहीं तो इससे आपकी स्थिति और भी बदतर हो सकती है। आइए जानते हैं कम नींद लेने पर डायबिटीज के मरीजों को क्या-क्या दिक्कत हो सकती है।

डायबिटीज एक ऐसी समस्या है जिसका कोई इलाज नहीं है,यह एक बार हो जाता है तो यह आपके जीवन भर का साथी बन जाता है। इसमें पैंक्रियाज सही मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाते हैं या सेल्स इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं,इसके कारण ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

हो सकती हैं ये दिक्कत

एक्सपर्ट के मुताबिक नींद की कमी आपके ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकती है। जो लोग 6 घंटे से कम नींद लेते हैं उनके शरीर में हार्मोन की गड़बड़ी होने लगती है,इसका सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ सकता है। स्लीप साइकिल छोटी होने पर ब्लड वेसल को नुकसान पहुंच सकता है। देर से सोने से आपका इंसुलिन प्रतिरोध खराब हो सकता है। इसके कारण दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप प्री-डायबिटिक हैं और कम नींद लेते हैं तो आप डायबिटीज के शिकार हो सकते हैं।

डायबिटीज के मरीज ऐसे रखें अपना ख्याल

- एक्सरसाइज करें
- 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें।
- सोने का सही पैटर्न सेट करें
- हेल्दी डाइट लें।
- तंबाकू और शराब से दूरी बनाएं।

साइलेंट डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इसके लक्षण लंबे समय तक नजर नहीं आते हैं जिसकी वजह से कई बार इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है।

क्या है साइलेंट डिहाइड्रेशन? समय रहते पहचानना है बेहद जरूरी

यूं तो डिहाइड्रेशन की समस्या किसी भी मौसम में हो सकती है । हमारे शरीर को हेल्दी रहने और सही तरह से फंक्शन करने के लिए पानी की बहुत जरूरत होती है। शरीर से टॉक्सिन्स, यूरिन और पसीने के जरिए पानी बाहर निकलता है। जितनी मात्रा में पानी हमारे शरीर से बाहर जा रहा है उसके अनुपात में जब हम पानी नहीं पीते हैं तो डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर आने लगते हैं। डिहाइड्रेशन होने पर चक्कर आना, त्वचा से जुड़ी समस्याएं, किडनी या लिवर का ठीक तरह से काम न करना और भी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर न आने पर भी आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं। इसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। इसके लक्षण बहुत बाद में सामने आते हैं जिसके चलते कई हेल्थ प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इस बारे में हमने पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट,डाइटीशियन, स्वाति बथवाल से बातचीत की। आइए जानते हैं साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है और कैसे इससे बचा जा सकता है।

साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है?

डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इस समस्या के कई लक्षण शरीर में दिखाई देते हैं जिनमें कमजोरी लगना, प्यास लगना, मुंह सूखना या फिर चक्कर आना शामिल हैं। अगर आपको इनमें से कोई लक्षण महसूस नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आपको डिहाइड्रेशन ही समस्या नहीं है। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर नहीं आते हैं, इसे साइलेंट डिहाइड्रेशन कहा जाता है। यह डिहाइड्रेशन से अधिक खतरनाक होता है क्योंकि इस स्थिति में आप पहचान ही नहीं पाते हैं कि आपका शरीर डिहाइड्रेशन से जूझ रहा है।

क्या होती है वजहें?

डिहाइड्रेशन के पीछे और भी कई कारण हो सकते हैं। जिनमें डायरिया, अधिक पसीना आना, उल्टी होना या फिर पानी कम पीना शामिल हैं। डिहाइड्रेशन के दौरान हमारे शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे कि क्लोराइड, पोटेशियम और सोडियम की भी कमी हो जाती है। इस कमी को तुरंत पूरा किया जाना बहुत जरूरी है। ये सभी इलेक्ट्रोलाइट्स हमारी सेल्स के सही तरह से काम करने के लिए बहुत जरूरी है और अगर तुरंत इनकी कमी को पूरा नहीं किया गया तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

कितना पानी है सही?

एक्सपर्ट की मानें तो दिन भर में आपको 35ml/kgBW/day पानी पीना चाहिए। इसे आसान भाषा में समझते हैं। अगर आपका वजन 50 किलो है तो आपको एक दिन में लगभग 35x 50 = 1.5 लीटर पानी पीना चाहिए। इसके साथ ही गर्मियों में पसीने के जरिए शरीर से जो पानी निकलता है उसकी कमी भी पूरी होनी चाहिए।

क्या करें?

- हाइड्रेट रहने के लिए सिप करते हुए पानी पिएं। दिन भर में 1-2 गिलास पानी/शरबत/नींबू पानी चुटकी भर नमक डालकर पिएं।
- कई बार काम के बीच हम पानी पीना भूल जाते हैं या प्यास लगने पर भी इग्नोर कर देते हैं। ऐसा बिल्कुल भी न करें।
- तरबूज, खरबूज, खीरा(खीरे के जूस के फायदे) और ककड़ी जिन चीजों में पानी की मात्रा अधिक होती है, उनका सेवन करें।
- एक्सरसाइज करने से पहले और बाद में अपना वजन चेक करें। अगर आपके वजन में 1 किलो का अंतर है तो अपनी डाइट में 1.5 लीटर पानी को शामिल करें। हाइड्रेशन सिर्फ पानी से नहीं आता है बल्कि शरबत, शिकंजी और चिया सीड्स भी हाइड्रेशन के लिए अच्छे माने जाते हैं।
- इसके साथ ही हाइड्रेटिंग फ्रूट्स जैसे तरबूज, ककड़ी, खीरा, कोकम शर्बत और बेल को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। इससे आपको हाइड्रेशन भी मिलता है और शरीर को ठंडक भी मिलती है। ये सब शरीर के तापमान को कम करने में भी मदद करते हैं।
- अगर आप कॉफी, सोडा, कैफीन वाली ड्रिंक्स या एल्कोहल पीते हैं तो भी आप डिहाइड्रेटेड हो सकते हैं इसलिए एक कप कॉफी से कुछ देर बाद एक गिलास पानी पिएं।
- पानी की मात्रा भी शरीर में जरूरत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ज्यादा पानी पीने से शरीर में सोडियम लेवल कम हो सकता है जो जानलेवा भी हो सकता है।

डिहाइड्रेशन के कारण बिगड़ सकती है चेहरे की रंगत

अक्सर लोगों को लगता है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में ही होता है। लेकिन, ऐसा नहीं है। डिहाइड्रेशन का असर, हमारी स्किन पर भी होता है। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है।

शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन हो सकता है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए, पानी की सही मात्रा बहुत जरूरी है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो इसका असर बॉडी फंक्शन्स पर होता है। गर्मियों के मौसम में तापमान बढ़ने पर डिहाइड्रेशन के मामले ज्यादा सामने आने लगते हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में होता है। हालांकि, गर्मियों में इसका खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि शरीर से जिस अनुपात में यूरिन और पसीने के जरिए, पानी बाहर जाता है, जब हम उसके अनुपात में पानी नहीं पीते हैं, तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है। डिहाइड्रेशन का असर शरीर के काम पर तो होता ही है। लेकिन, साथ ही इसके कुछ संकेत स्किन पर भी नजर आने लगते हैं। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है। डिहाइड्रेशन किस तरह हमारे चेहरे की रंगत को फीका कर सकता है, एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप कम मात्रा में पानी पीते हैं, तो इसका असर आपकी स्किन पर भी हो सकता है।

- स्किन को हेल्दी रखने में पानी की अहम भूमिका है और यही कारण है कि जब आप कम पानी पीती हैं, तो इससे स्किन की रंगत खोने लगती है।
- डिहाइड्रेशन के कारण, स्किन रूखी और बेजान लगने लगती है।
- जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ऑयल प्रोडक्शन बढ़ जाता है और इसके कारण, एक्ने होने लगते हैं।
- पानी की कमी के कारण, स्किन पर कालापन भी नजर आ सकता है।
- इसके कारण समय से पहले स्किन पर एजिंग के साइन्स दिखाई देते हैं और त्वचा की कसावट और लचीलापन कम होने लगता है।
- डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं।
- आपकी स्किन किसी भी टाइप की हो, पानी की कमी होने पर, यह अपनी चमक खोने लगती है।
- इसके कारण आंखों के नीचे स्वेलिंग या काले घेरे भी हो सकते हैं।
- स्किन हेल्थ के लिए, 8 से 10 गिलास पानी पीना बहुत जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए, सही मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इन्हें एक्सपर्ट के बताए तरीके से इस्तेमाल करें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

ऐसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट और जानें शरीर को कितने पानी की है जरूरत

शरीर में पानी की जरूरत कितनी होती है और डिहाइड्रेटेड होने पर क्या-क्या हो सकता है इसके बारे में तो आप जानते ही होंगे। दरअसल, शरीर की असली ताकत सभी विटामिन-मिनरल्स के साथ-साथ सही हाइड्रेशन पर भी निर्भर रहती है और अगर आपने इसपर ध्यान नहीं दिया तो ये भी हो सकता है कि आपके साथ कई तरह की समस्याएं हो जाएं जैसे स्किन प्रॉब्लम्स, हीट स्ट्रोक, किडनी या लिवर का ठीक तरह से फंक्शन न करना, वॉटर रिटेंशन की समस्या आदि। ऐसे में कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें इसके बारे में जानकारी ही नहीं होती कि कब वो डिहाइड्रेट हो रहे हैं और कैसे वो इसे सुधारें। सबसे पहले हमें ये जानना जरूरी है कि हम खुद से ही अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे करें। इसके लिए सेलेब न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये बताया है कि हम खुद ही स्किन के जरिए अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे कर सकते हैं। हमारी स्किन हमें बता सकती है कि शरीर को पानी की जरूरत है या फिर नहीं है।

कैसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट?

स्किन के डिहाइड्रेट होने से ये पता लगाया जा सकता है कि हमारा शरीर कितना डिहाइड्रेटेड है। पूजा मखीजा का कहना है कि अगर आप ट्रैवल कर रहे हैं या फ़िर आप बहुत देर से कोई काम कर रहे हैं तो ये टेस्ट जरूर कर लेना चाहिए। इसके लिए आप स्किन को बेस बना सकते हैं। क्या करें-

उंगलियों के नकल्स (उंगलियों के जोड़ों की स्किन) को पिंच करके उठाएं। अगर वो एकदम से नीचे चली जाती है तो शरीर डिहाइड्रेटेड नहीं है। अगर ये नीचे जाने में थोड़ा समय लेती है तो आपका शरीर डिहाइड्रेटेड है। ये टेस्ट आप नॉर्मल स्किन पर भी कर सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छे नतीजे नकल्स की स्किन पर ही होते हैं। डिहाइड्रेशन को दूर करने के लिए सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप धीरे-धीरे सिप-सिप कर पानी पिएं। एकदम से प्यास लगने पर पूरा 1 ग्लास पानी पी जाना हमें अच्छा तो लगता है, लेकिन यकीन मानिए ये डिहाइड्रेशन पर कोई खास असर नहीं करता है। आपको इसके लिए ठीक तरह से पानी पीना होगा। अगर पूरे दिन में आप थोड़ी-थोड़ी देर में सिप-सिप कर पानी पीते हैं तो शरीर ज्यादा बेहतर तरीके से हाइड्रेट रह सकेगा। किन तरीकों से कम किया जा सकता है डिहाइड्रेशन-

- अगर आपको लग रहा है कि शरीर डिहाइड्रेटेड है तो आप उसे ठीक करने के लिए ये तरीके अपना सकते हैं-
- अगर शरीर डिहाइड्रेट हो रहा है तो बल्ड शुगर लेवल भी कम होता है ऐसे में ग्लूकोज का पानी लेना सही हो सकता है।
- अगर आपको बार-बार वीकनेस फील हो रही है तो आप नारियल पानी पी सकते हैं।
- अगर कहीं ट्रैवल कर रहे हैं तो हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। आप खीरा आदि खाकर भी डिहाइड्रेशन को कम कर सकते हैं।
- अगर आपको लग रहा है कि गर्मी और धूप के कारण चक्कर आ रहा है तो छांव में जाकर शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें और फिर थोड़ा सा पानी पिएं। एकदम से पानी पीना सही नहीं होगा।
- अगर डिहाइड्रेशन के कारण उल्टी-दस्त शुरू हो गए हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

चीन ने प्रमुख नीतिगत दर और बैंक जमा पर ब्याज घटाया

बैंकॉक । चीन ने प्रमुख नीतिगत दर और बैंक जमा पर ब्याज दर कम करके अपनी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। यह कदम वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट को देखते हुए बढ़ाया गया है, जिससे चीनी बाजारों में नुकसान बढ़ गया है। बुधवार को दोपहर तक हांगकांग का हैंगसेंग 1.4 प्रतिशत तथा शंघाई कम्पोजिट सूचकांक 0.4 प्रतिशत नीचे आ गया। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने गुरुवार को कहा कि उसने एक साल के मध्यम अवधि के पॉलिसी लोन के लिए ऋण दर में 20 आधार अंकों की कटौती करके इसे 2.3 प्रतिशत कर दिया है। सात-दिन के ऋण पर ब्याज दर घटाकर 1.7 प्रतिशत कर दी गई है। प्रमुख सरकारी बैंकों ने अपने वित्त पर दबाव कम करने के लिए जमा दरों में कटौती की है। केंद्रीय बैंक ने इस सप्ताह की शुरुआत में अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कई अन्य ऋण दरों में कटौती की थी।

चाय उद्योग परिदृश्य सकारात्मक रहने की उम्मीद: धुनसेरी टी

कोलकाता । घरेलू मांग बढ़ने से चाय विनिर्माता कंपनी धुनसेरी टी को चाय उद्योग का परिदृश्य सकारात्मक रहने की उम्मीद है। कंपनी ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा कि बढ़ती विनिर्माण लागत ने मुनाफे की वजह से दबाव डाला है और असंगठित क्षेत्र से अनुचित प्रतिस्पर्धा के कारण उद्योग को कठिन दौर का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उद्योग को अधिकारियों से प्रभावी प्रोत्साहन मिल सकता है। कंपनी को वित्त वर्ष 2023-24 में 60.73 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। प्रबंधन ने कहा कि चाय उद्योग को मौसम संबंधी अनिश्चितताओं, उत्पादन लागत में वृद्धि तथा असंगठित क्षेत्र से अनुचित प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी घरेलू बाजार में चाय की बढ़ती मांग से धुनसेरी टी को सकारात्मक परिदृश्य की उम्मीद है। कंपनी के पास वर्तमान में 12 चाय बागान और उनसे संबद्ध चाय बागान कारखाने हैं। यह सभी असम में स्थित हैं।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा बढ़कर 746.6 करोड़

नई दिल्ली। हर रोज घरों में इस्तेमाल की जानी वाली वस्तुओं को बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड का अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 6.9 प्रतिशत बढ़कर 746.60 करोड़ रुपये हो गया। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी का पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में लाभ 698.34 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन तिमाही में नेस्ले इंडिया की उत्पादों की बिक्री से आय 3.75 प्रतिशत बढ़कर 4,792.97 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 4,619.50 करोड़ रुपये थी। अप्रैल-जून तिमाही में कुल व्यय 2.7 प्रतिशत बढ़कर 3,844.01 करोड़ रुपये हो गया। अप्रैल-जून तिमाही में नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 4.24 प्रतिशत बढ़कर 4,608.50 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 4,420.77 करोड़ रुपये थी। इसकी कुल आय 3.64 प्रतिशत बढ़कर 4,853.07 करोड़ रुपये हो गई।

बीएमडब्ल्यू भारत में नई सीरीज में लांच, कीमत 72.90 लाख

नई दिल्ली । बीएमडब्ल्यू ने भारत में नई 5 सीरीज़ 72.90 लाख रुपये में लॉन्च कर दी है। यह कार छोटे व्हीलबेस प्लेटफॉर्म पर आधो रित है। बीएमडब्ल्यू इंडिया नई 5 सीरीज को एकमात्र 530 एलआई वेरिएंट में पेश किया है। इसकी शुरुआती कीमत 72.90 लाख रुपये है। भारत-स्पेक मॉडल में चिकनी हेडलाइट्स और टेल-लाइट्स, एक सामान्य आकार की बीएमडब्ल्यू किडनी ग्रिल, 18-इंच के पहिये दिए हैं। इसमेंस्पोर्टियर फ्रंट और रियर बंपर दिया है। नई 5 सीरीज का डुअल-टोन इंटीरियर लगभग आई5 के समान है। ड्राइवर को 12.3 इंच का एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 14.9 इंच का सेंट्रल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट दिया है। फीचर लिस्ट में फोर-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, डायमंड-पैटर्न क्विल्टिंग के साथ लेदर अपहोल्स्ट्री, फ्रंट-सीट वेंटिलेशन, मैट्रिक्स एलईडी हेडलैंप, एक 18-स्पीकर, 655 बाट बोवर्स एंड विल्किंस साउंड सिस्टम और 6 यूएसबी-सी पोर्ट जैसी सुविधाएं दी हैं।

सेबी ने डीमैट एकाउंट के नियमों में किया बदलाव

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बेसिक सर्विस डीमैट अकाउंट के नियमों में बदलाव किया है। बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट (बीएसडीए) के लिए सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने की घोषणा की। यह नियम 1 सितंबर, 2024 से लागू होगा।

सेबी ने हाल ही में बीएसडीए की पात्रता मानदंडों की व्यापक समीक्षा की, जिसका उद्देश्य शेयर बाजार में नए इंवेस्टर्स की हिस्सेदारी और निवेश को बढ़ावा देना है। यह सुविधा बाजार नियामक सेबी द्वारा 2012 में छोटे पोर्टफोलियो वाले निवेशकों पर डीमैट शुल्क के बोझ को कम करने के लिए शुरू की गई थी। बीएसडीए के लिए योग्यता पर सेबी ने कहा कि कोई व्यक्ति बीएसडीए के लिए योग्य है, बशर्ते वह कुछ मानदंडों को पूरा करता हो, जैसे कि निवेशक के पास एकमात्र या प्रथम धारक के तौर पर सिर्फ एक डीमैट खाता है, सभी डिपॉजिटरी में उसके नाम पर सिर्फ एक बीएसडीए है और खाते में सिक्योरिटीज की वैल्यू किसी भी समय डेट और नॉन-डेट सिक्योरिटीज दोनों के लिए संयुक्त रूप से 10 लाख रुपए ज्यादा नहीं है। बीएसडीए के लिए पात्र होने के लिए आपका खाता केवल एक व्यक्ति के नाम पर होना चाहिए आपके पास कोई अन्य डीमैट खाता नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, बीएसडीए कैटेगिरी के अंतर्गत केवल एक ही डीमैट खाता रखा जा सकता है। यदि आपके पास संयुक्त खाता है, तो आप खाते के पहले धारक नहीं होंगे।

टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड और एनडीडीबी ने की साझेदारी

नई दिल्ली ।

टाटा पावर की इकाई टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बयान के अनुसार राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के एक व रिष्ठ अ धिकारी और टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनोज गुप्ता ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के केन्द्र में दूध मूल्य श्रृंखला के भीतर स्थिरता और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए कई प्रमुख पहल हैं। इसमें डेयरी सहकारी समितियों (डीसीएस), बल्क मिल्क कूलर्स (बीएमसी) और मिल्क चिलिंग सेंटर का सौरीकरण शामिल है, जिसे अत्याधुनिक सौर माइक्रोग्रिड प्रौद्योगिकी द्वारा सरल बनाया गया है। शाह ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को एकीकृत करके, हमारा लक्ष्य डेयरी मूल्य श्रृंखला में परिचालन दक्षता को बढ़ावा देना तथा हरित ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

स्टारलिंक सेवा अब एक हजार से ज्यादा विमानों में मिलेगी: एलन मस्क

सैन फ्रांसिस्को । स्पेसएक्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि किफायती इंटरनेट सेवा स्टारलिंक अब एक हजार से ज्यादा विमानों में शुरू हो गई है। कंपनी के अनुसार स्टारलिंक यात्रियों को विमान में हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्शन मिलेगा। एलन मस्क ने अपने एक्स पर पोस्ट किया, विमान में स्टारलिंक का उपयोग करने से ऐसा लगता है जैसे आप हाई-स्पीड ग्राउंड फाइबर कनेक्शन पर हैं। एलन मस्क ने हाल ही में बताया कि अफ्रीका का सिएरा लियोन देश स्टारलिंक से जुड़ने वाला 100वां और 10वां अफ्रीकी राष्ट्र बन गया है। मई में कंपनी ने इंडोनेशिया और फिजी में स्टारलिंक लॉन्च किया था। एलन मस्क के अनुसार स्टारलिंक के साथ हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा का ऑर्डर देने के लिए किसी लॉन्ग-टर्म कॉन्ट्रेक्ट की जरूरत नहीं है। सेटेलाइट-बेस्ड इंटरनेट सर्विस को द्वीप राष्ट्र में इंटरनेट सेवा देने के लिए श्रीलंका से शुरुआती मंजूरी भी मिल गई है। हालांकि, इंटरनेट सेवा को अभी तक भारत सरकार से मंजूरी नहीं मिली है। कमर्शियल पहलू की जांच पूरी हो गई है, जिसमें फॉरेन इन्वेस्टमेंट और नेटवर्थ जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया गया है। साथ ही तकनीकी जरूरतों को भी देश में लाइसेंसिंग नियमों के हिसाब से परखा गया है। एक बार स्टारलिंक को मंजूरी मिल जाने के बाद, उसे ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) सर्विसेज लाइसेंस जारी किया जाएगा, जो देश में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज देने के लिए जरूरी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही धातु और बैंकिंग शेयरों में हुई बिकवाली से आई है। इसके अलावा प्रतिभूति लेनदेन कर और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स में बढ़ोतरी के कारण विदेशी कोषों की जमर निकासी हुई जिससे भी बाजार नीचे आया। इंट्रा-डे कारोबार में भी गिरावट से बाजार पर दबाव पड़ा हालांकि टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में तेजी से कुछ हद तक बाजार संभला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 109.08 अंक या 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 80,039.80 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 7.40 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी टूटकर 24,406.10 अंक पर बंद हुआ। आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 17 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और टाटा स्टील सेंसेक्स के शीर्ष-5 नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, इंडसइंड बैंक, आईटीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एसबीआई, भारती एयरटेल, एचयूएल, टेक महिंद्रा, रिलायंस, इंफोसिस, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 13 शेयर लाभ पर बंद हुए। इसमें टाटा मोटर्स, एलएंडटी, सन फार्मा, कोटक बैंक और एचडीएफसी बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, पावर ग्रिड, बजाज फाइनैंस, टीसीएस, एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, मारुति और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग नीच आये। इसके अलावा यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट रही।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों गत दिवस बाजार में शुद्ध विक्रेता रहे। उन्होंने 5,130.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं गत कारोबारी दिन भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 600 अंक गिरकर 79,542 अंकों पर आ गया, जबकि निफ्टी50 इंडेक्स 183 अंक गिरकर 24,230 पर पहुंच गया।

नेटवर्थ में गिरावट के बाद भी अमीरों की सूची में ऊपर पहुंचे गौतम अडानी

- मुकेश अंबानी 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शेयर बाजार में बुधवार को भारी गिरावट देखी गई। इससे दुनिया के प्रमुख 10 सबसे ज्यादा अमीरों की नेटवर्थ में कुल 72 अरब डॉलर की गिरावट आई। इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में बुधवार को 59.9 करोड़ डॉलर की गिरावट आई लेकिन इसके बावजूद वह 101 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की सूची में एक स्थान ऊपर 13वें नंबर पर पहुंच गए। इस साल उनकी नेटवर्थ में 17.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। एनवीडिया के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग की नेटवर्थ में 7.11 अरब डॉलर की गिरावट आई और वह अडानी से नीचे फिसल गए।ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक सबसे ज्यादा नुकसान में दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क रहे। टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट से ऐसा हुआ। कंपनी के शेयरों में 12 फीसदी से अधिक गिरावट रही। इससे मस्क की नेटवर्थ एक झटके में 21.7 अरब डॉलर कम होकर 241 अरब डॉलर रह गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 11.5 अरब डॉलर की तेजी आई है। मस्क के बाद सबसे ज्यादा नुकसान में फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग रहे। उनकी नेटवर्थ में 9.47 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 165 अरब डॉलर रह गई। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 36.4 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में बुधवार को 5.18 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 204 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर मौजूद फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड अरनॉल्ट में 8.58 अरब डॉलर गंवाए और उनकी नेटवर्थ 187 अरब डॉलर रह गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 20.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है। बिल गेट्स, लैरी पेज, लैरी एलिसन, स्टीव बालमर, सर्गेई ब्रिन और वॉरेन बफे की नेटवर्थ में भी बुधवार को गिरावट आई। दुनिया के 10 टॉप रईसों में नौ अमेरिका के हैं।

कच्चा तेल 82 डॉलर प्रति बैरल, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड टूटकर 82 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। वैश्विक बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.68 डॉलर की गिरावट के साथ 81.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.67 डॉलर फिसलकर 76.92 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर मिल रहा है।

टाटा समूह रांची में बनाएगा पांच सितारा ताज होटल

रांची ।

रांची कोर कैपिटल में टाटा समूह पांच सितारा ताज होटल बनाने के बारे में विचार कर रहा है। इसके लिए राज्य सरकार ने द टाटा इंटरप्राइजेज की अनुषंगी इकाई द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड को 6 एकड़ जमीन आवंटित की है। झारखंड मंत्रालय में होटल के निर्माण को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सीएम हेमंत सोरेन की उपस्थिति में नगर विकास एवं आवास विभाग और द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कोर कैपिटल साइट-1 रांची स्मार्ट सिटी में बनने वाले इस होटल में लग्जरी सुविधाओं के साथ 200 कमरे, बैंक्वेट और कॉन्फ्रेंस हॉल सहित अन्य आवश्यक संरचनाएं होंगी। इस इलाके में जीआरडीए (ग्रेटर रांची डेवलपमेंट अथॉरिटी) की ओर से बिजली, जलापूर्ति आदि सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। नगर विकास विभाग ने कुछ शर्तों के साथ होटल के लिए लीज मंजूर की है। करार के मुताबिक लीज 60 वर्षों के लिए होगा। यह अवधि पूरी होने पर और 30 वर्ष के लिए लीज का विस्तार किया जा सकेगा। होटल की कुल आय की 3.10 प्रतिशत राशि झारखंड सरकार को लीज रेंट के रूप में दी जाएगी। झारखंड सरकार के कैबिनेट ने पहले ही इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। टाटा समूह सिर्फ यहां की खनिज संपदाओं का ही उपयोग नहीं करता, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उद्योग कर उन्होंने इस राज्य की तरक्की में उल्लेखनीय योगदान किया है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह की उद्यमशीलता की यात्रा झारखंड से शुरू हुई है और हम अधिकार के साथ उनसे कह सकते हैं कि यहां के लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता में रखें। रांची में विश्व स्तरीय सुविधाओं वाले होटल ज्यादा नहीं हैं। टाटा समूह की ओर से यह होटल बनने के बाद सुविधाओं का विस्तार होगा। एमओयू के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री हफीजुल हसन, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, मुख्यमंत्री के आप्त मुख्य सचिव अविनाश कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल, टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टीवी नरेंद्रन, आईएचसीएल के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट (ऑपरेशंस) के. मोहन चंद्रन भी मौजूद रहे।

इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को बढ़ाने रोडमैप तैयार: गुप्ता

-हीरो मोटोकॉर्प खेलने जा रही बड़ा दांव

नई दिल्ली ।

हीरो मोटोकॉर्प के सीईओ निरंजन गुप्ता ने कहा कि कंपनी के पास अपने इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को तेजी से बढ़ाने के लिए रोडमैप तैयार है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन सेगमेंट की लीडरशिप की ओर देखते हुए, हीरो मोटोकॉर्प वित्त वर्ष 2025 में किफायती मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, जो कंपनी के पास मौजूद वीडा वी1 प्रो के पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाएगा।

कंपनी की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि कंपनी इस वित्तीय वर्ष में मध्यम और किफायती सेगमेंट में उत्पाद लॉन्च करेगी।

लान्च होने वाले नए प्रोडक्ट्स का मुकाबला टीवीएस और ओले के किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटरों से होगा। हीरो मोटोकॉर्प की वीडा इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की कीमत 1-1.5 लाख रुपये के बीच है, जो सब्सिडी मिलने के बाद की कीमत है। कंपनी ने एथर एनर्जी के साथ मिलकर वीडा ईवी के लिए भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है।

इसके अलावा जीरो मोटरसाइकिल के साथ साझेदारी के तहत कंपनी विदेशी बाजारों तक अपनी पहुंच बढ़ाएगी। हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल ने कहा, मैं भारत में अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक के रूप में वीडा वी1 के उदय को देखकर विशेष रूप से प्रसन्न हूं, और मुझे वैश्विक बाजारों में इसके भविष्य के लॉन्च की उम्मीद है, जहां यह एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने के लिए तैयार है। हीरो मोटोकॉर्प ने पहले ही अपने ईवी स्कूटर वीडा की उपस्थिति को तीन से बढ़ाकर 100 से अधिक शहरों तक कर दिया है।

गुप्ता ने शेयरधारकों को बताया, हमारे सीआईटी जयपुर और टेक सेंटर जर्मनी में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्रों में सभी क्षेत्रों में एक विजयी पोर्टफोलियो बनाने के लिए इनोवेशन चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी अधिक प्रीमियम उत्पादों को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय, सहायक उपकरण और व्यापारिक व्यवसायों को बढ़ाने की भी योजना बना रही है।

बता दें कि देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपनी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर रेंज की शुरुआत की ओर बढ़ रही है।

सोने का भाव गिरकर 67,900, चांदी 81,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 67,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में नरमी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 937 रुपये की गिरावट के साथ 68,015 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 1,058 रुपये की गिरावट के साथ 67,894 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 393 रुपये की गिरावट के साथ 84,501 रुपये पर खुला। इस समय यह 3,390 रुपये की गिरावट के साथ 81,504 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,398.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,415.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 44.50 डॉलर की गिरावट के साथ 2,371.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.07 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.31 था। इस समय यह 1.24 डॉलर की गिरावट के साथ 28.07 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया सर्वकालिक निम्न स्तर 83.72 डॉलर पर

मुंबई ।

विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की भारी निकासी के बीच रुपया गुरुवार को कमजोर रुख के साथ खुला और 83.72 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर आ गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू मुद्रा में गिरावट भारतीय शेयर बाजारों में भारी गिरावट के बाद आई है। सरकार के पूंजीगत लाभ पर कर की दर बढ़ाने के फैसले के बाद से घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। वह एक पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.72 प्रति डॉलर पर खुला था। रुपया बुधवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.21 पर रहा।

बीसीसीआई और आईपीएल टीम मालिकों की बैठक 31 को, इस मुद्दे पर गहमागहमी होने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई और सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों के बीच बैठक 31 जुलाई को होगी जिसमें कई अहम फैसले सामने आ सकते हैं। आईपीएल 2025 मेगा नीलामी से पहले रिटेन करने वाली टीमों की संख्या और राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्पों को लेकर महत्वपूर्ण फैसले होने हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार- आईपीएल के सीईओ हेमांग अमीन ने 31 जुलाई की बैठक के लिए गुरुवार सुबह फ्रेंचाइजी मालिकों को संदेश भेज दिया है। माना जाता है कि अमीन ने यह भी संकेत दिया है कि बैठक 31 जुलाई को दोपहर या शाम को होगी। ऐसा माना जाता है कि सभी मालिकों ने बैठक के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। हालांकि स्थल की पुष्टि नहीं है लेकिन उम्मीद है कि यह समागम मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम परिसर में स्थित बीसीसीआई मुख्यालय क्रिकेट सेंटर में होगा।

आईपीएल 2018 मेगा नीलामी के लिए फ्रेंचाइजी को अधिकतम 5 खिलाड़ियों - नीलामी से 3 और राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड से दो खिलाड़ी बनाए रखने की अनुमति दी गई थी। लेकिन 2022 में दो नई टीमों - गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स - की शुरूआत के परिणामस्वरूप मौजूदा टीमों को 4 खिलाड़ियों को बनाए रखने की अनुमति दी गई, जिसमें कोई आरटीएम कार्ड शामिल नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई द्वारा रिटेंशन की संख्या 5 या 6 रखी जा सकती है। प्रतिधारण सीमित करने के पीछे तर्क यह है कि अधिक संख्या नीलामी के उत्साह को कम कर सकती है। यदि प्रत्येक टीम अधिकतम 8 खिलाड़ियों को बरकरार रखती है, तो दुनिया भर और भारत के शीर्ष 80 खिलाड़ी नीलामी से बाहर हो जाएंगे, जिससे पूरी नीलामी प्रक्रिया फीकी हो जाएगी। इसमें निष्कर्ष निकाला गया- राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प एक विवादास्पद मुद्दा है जिस पर बैठक में बहस हो सकती है, हालांकि संभावना है कि बीसीसीआई ने इस मामले पर पहले ही निर्णय ले लिया है।

आईपीएल से करोड़ों कमा चुके भारतीय प्लेयर

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने भारतीय खिलाड़ियों को खूब मालामाल किया है। जानें शीर्ष कमाई वाले खिलाड़ी-

एमएस धोनी : 176 करोड़ (लगभग 2 मिलियन डॉलर)
विराट कोहली : 173 करोड़ (लगभग 21.7 मिलियन डॉलर)
रोहित शर्मा : 146.6 करोड़ (लगभग 18.3 मिलियन डॉलर)
सुरेश रैना : ?110 करोड़ (लगभग 13.7 मिलियन डॉलर)

आईपीएल में सात खिलाड़ियों ने ?100 करोड़ या उससे अधिक की कमाई की है। एबी डिविलियर्स, गौतम गंभीर, शिखर धवन और दिनेश कार्तिक जैसे खिलाड़ियों ने भी आईपीएल में अच्छी खासी कमाई की है। आईपीएल में पिछले कुछ वर्षों में खिलाड़ियों की कमाई में लगातार वृद्धि देखी गई है।

भारतीय महिला तीरंदाजी टीम पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक की तीरंदाजी स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी है। भारतीय तीरंदाजों दीपिका कुमारी समेत भजन कौर और अंकिता भकत ने महिला व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारत को क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचाया। दीपिका , अंकिता और भजन ने कुल मिलाकर भारत को 1,983 अंक दिलाए हैं।

दीपिका , भजन और अंकिता ने महिला व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में भाग लेते हुए अपने प्रदर्शन से भारत को क्वॉर्टर फाइनल का टिकट दिलाया। वहीं टीम रैंकिंग के हिसाब से भारतीय टीम इस राउंड के बाद चौथे स्थान पर रही। इस दौरान भारत के 1983 अंक रहे, जबकि कोरिया 2046 अंकों के साथ ही शीर्ष पर रहा। वहीं चीन 1996 और मैक्सिको 1986 की टीम को दूसरा और तीसरा स्थान मिला।

वहीं यक्तिगत स्कोर की बात करें तो भारत की ओर से अंकिता पहले स्थान पर रही। अंकिता ने 72 शॉट लगाते हुए कुल 666 अंक हासिल किए है और वे 11वें स्थान पर रहीं जबकि भजन और दीपिक टॉप-20 से बाहर रहकर 22 वें और 23 वें स्थान पर रहीं।

बिंद्रा को मिला ओलिंपिक ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पहले ओलंपिक स्वर्ण विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने ओलिंपिक को आगे बढ़ाने (ओलिंपिक मूवमेंट) में बिंद्रा के विशिष्ट योगदान के लिए उन्हें ओलिंपिक ऑर्डर दिया है। इस अहम उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिंद्रा की प्रशंसा की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिंद्रा को ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने कहा, अभिनव को ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। उन्हें बधाई। चाहे एथलीट के रूप में हो या आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक संरक्षक के रूप में उन्होंने खेलों व ओलिंपिक मूवमेंट में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ओलिंपिक आर्डर पुरस्कार से सम्मानित होने पर अभिनव बिंद्रा को बधाई। अनुकरणीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी, अभिनव बिंद्रा अपने ज्ञानवर्धक मार्गदर्शन से एथ्लीटों को प्रेरित करते रहते हैं। मेरी सारी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। बिंद्रा ने बीजिंग ओलिंपिक में पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था।

ओलिंपिक ऑर्डर पुरस्कार किसी व्यक्ति को दिया जाने वाला सर्वोच्च ओलिंपिक सम्मान है। बिंद्रा ये सम्मान हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। ओलिंपिक ऑर्डर सम्मान की स्थापना 1975 में हुई थी। शुरुआत में यह पुरस्कार गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज कैटेगरी में विशिष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों को दिया जाता था। 1984 में समीक्षा के बाद आईओसी ने सिल्वर और ब्रॉन्ज की कैटेगरी को समाप्त कर दिया। इसके बाद यह तय किया कि अब यह पुरस्कार सिर्फ गोल्ड कैटेगरी में ओलिंपिक खेलों में विशिष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों को ही दिया जाएगा। आईओसी ओलिंपिक की मेजबानी करने वाले राष्ट्र प्रमुखों को भी यह पुरस्कार देता रहा है। परंपरागत रूप से आईओसी प्रत्येक ओलिंपिक गेम्स के समापन समारोह में यह सम्मान वितरित किया जाता रहा है , इसबार ये 10 अगस्त को दिया जाएगा। दुनिया में अब तक 116 हस्तियों को गोल्ड ओलिंपिक ऑर्डर पुरस्कार मिल चुका है।

महिला एशिया कप में एक बार फिर भारत-पाक के बीच मुकाबला देखना चाहते हैं प्रशंसक

दांबुला (एजेंसी)। महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक अब इन दोनो के बीच खिताबी मुकाबले में टक्कर देखना चाहते हैं। भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार रहा है और उसने आसानी से सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। वहीं पाक ने मुश्किल से सेमीफाइनल में जगह बनाई है। भारत ने लीग स्तर पर पाकिस्ता को हराया था। वहीं क्रिकेट प्रशंसक इन दोनो टीमों के बीच एक ओर मुकाबला चाहते हैं। दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसक इन दोनो के बीच

रोमांचक मुकाबला चाहते हैं।

पहला सेमीफाइनल भारत और बांग्लादेश के बीच शुक्रवार को खेला जाएगा। यह मैच दोपहर दो बजे से शुरू होगा जबकि दूसरा सेमीफाइनल शक्रवार को ही पाक और श्रीलंका के बीच शाम 7 बजे खेला जाएगा। ऐसे में अगर सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश और पाकिस्तान ने श्रीलंका को हरा दिया तो भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल होगा। इसकी संभावना हालांकि कम है क्योंकि मेजबान श्रीलंका की तुलना में इस बार पाक टीम का प्रदर्शन कमजोर रहा है। ऐसे में पाक टीम के लिए सेमीफाइनल में श्रीलंका को हराना मुश्किल है।

भारतीय टीम ने एशिया कप के मौजूदा संस्करण में अपने तीनों लीग मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है जबकि बांग्लादेश को ग्रुप स्टेज में श्रीलंका के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं श्रीलंका भी इस टूर्नामेंट में अब तक सभी मैच जीता है।

नीता अंबानी लगातार दूसरी बार आईओसी सदस्य बनीं

पेरिस। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक नीता अंबानी लगातार दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सदस्य बनी हैं। नीता को पेरिस में सर्वसम्मति से दूसरी बार भारत से आईओसी का सदस्य चुना गया। आईओसी के 142वें सत्र के दौरान हुए मतदान में नीता को पूरे सौ फीसदी मत मिले। नीता के आईओसी में शामिल होने से अब भारतीय खेल संघों को भी वैश्विक स्तर पर सहयोग और समर्थन मिलने लगेगा। वहीं नीता ने दोबार आईओसी सदस्य चुने जाने के बाद कहा, ''मैं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाख और आईओसी में अपने सभी सहयोगियों को मुझ पर भरोसे जताने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने कहा , ''फिर से सदस्य

चुना जाना ना केवल एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है बल्कि वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। मैं हर भारतीय के साथ खुशी और गर्व के इस पल को साझा करती हूं और भारत तथा दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के हमारे प्रयासों को जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। गौरतलब है कि नीता को पहली बार 2016 में रियो डि जिनेरियो ओलंपिक खेलों के दौरान इस प्रतिष्ठित संस्था में शामिल किया गया था। वह आईओसी में शामिल होने वाली भारत की पहली महिला हैं। नीता एक प्रतिष्ठित व्यवसायी और समाजसेवी हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अहम योगदान दे रही हैं।

विराट ओर गंभीर बेहद उर्जावान : नेहरा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा है कि बल्लेबाज विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर काफी उर्जावान हैं और इन दोनो में किसी प्रकार के मतभेद नजर नहीं आते। जैसी की धारणा बनायी जा रही है। नेहरा ने कहा कि ये दोनो ही बेहद अनुभवी हैं और जैसे ही ये ड्रेसिंग रूम साझा करना शुरू कर देंगे, इनमें समन्वय बनने लगेगा। गंभीर श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम का कोच पद संभालने जा रहे हैं। वहीं कोहली एकदिवसीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज रहेंगे। पिछली बार आईपीएल के दौरान दोनों के बीच मैदान पर बहस हुई पर इस बार के सत्र में दोनो उत्साह के साथ मिले थे। इससे साफ है कि दोनो में अब कोई मतभेद नहीं हैं।

नेहरा ने कहा, विराट और गंभीर दो बहुत ही उत्साह से भरे लोग हैं। जब भी वे किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो वे विपक्षी टीम के खिलाफ पूरी ताकत लगा देते पर जब वे ड्रेसिंग रूम में साथ होते हैं, तो वे टीम के लिए एकजुट होते हैं। विराट के पास करीब डेढ़ दशक का अनुभव है। वहीं गंभीर भी बेहद अनुभवी हैं। ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिनके बीच पहले भी मैदान पर झगड़े हुए हैं पर जब वे किसी टीम के लिए साथ खेलते हैं, तो वे एक खिलाड़ी, कोच-कप्तान, कोच और सीनियर खिलाड़ी के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा : शेफाली वर्मा

दाम्बुला - एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के बावजूद सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि भारत को बांग्लादेश के खिलाफ शुक्रवार को सेमीफाइनल से पहले खेल के हर विभाग में सुधार करना होगा। शेफाली ने तीन मैचों में 52 से अधिक की औसत से 158 रन बनाए हैं। भारत ने ग्रुप मैचों में पाकिस्तान को सात विकेट से , यूएई को 78 रन से और नेपाल को 82 रन से हराया। शेफाली ने सेमीफाइनल से पहले कहा, 'यह अच्छा अहसास है कि हम सारे मैच जीत रहे हैं और एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सेमीफाइनल काफी महत्वपूर्ण है। हम कड़ा अभ्यास कर रहे हैं और उम्मीद है कि रणनीति पर अमल कर सकेंगे।' शेफाली ने कहा, 'बल्लेबाजी ईकाई के तौर पर हम अपनी ताकत पर भरोसा कर रहे हैं। गेंदबाज भी नेट्स पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन लगातार सुधार जरूरी है। हम फील्डिंग पर मेहनत कर रहे हैं।'

मोरक्को बनाम अर्जेंटीना मैच में विवाद, मैदान में घुसे प्रशंसक, डर कर भागे खिलाड़ी

पेरिस (एजेंसी)। यह मेरे जीवन में अब तक का सबसे बड़ा सर्कस है। यह शब्द अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के मैनेजर जेवियर मास्चेरानो ने कहे क्योंकि ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में मोरक्को के खिलाफ उनकी टीम के शुरुआती मैच ने बुधवार को पेरिस में बड़े पैमाने पर विवाद पैदा कर दिया। मोरक्को और अर्जेंटीना के बीच मैच के अंतिम मिनटों में मोरक्को के प्रशंसक गुंडागर्दी पर उतर आए और मैदान में घुस गए। इस कारण अर्जेंटीना के मैच को निलंबित कर दिया गया उनके बराबरी के गोल को अनुमति नहीं दी गई और टीमों को मैच के निर्धारित समय के दो घंटे बाद अंतिम कुछ मिनट खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मैच 2-2 पर रोक दिया गया था, जब दक्षिण अमेरिकी टीम द्वारा बराबरी का गोल करने के तुरंत बाद मोरक्को के प्रशंसकों ने मैदान पर कब्जा कर लिया और अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को पटाखे फोड़कर डरा दिया। शेष समय में स्कोर 2-1 मोरक्को के पक्ष में रहा और अंततः अफ्रीकी टीम को

विजेता घोषित किया गया जबकि अर्जेंटीना की टीम खेल के अंतिम मिनटों को संभालने के तरीके से नाराज होकर दूसरी बार मैदान से बाहर चली गई।

पीएसजी स्टार अचरफ हकीमी की अगुआई में मोरक्को ने खेल की शानदार शुरुआत की और जल्द ही 2-0 की बढ़त ले ली। हालांकि अर्जेंटीना ने दूसरे हाफ में वापसी की और दो बार बराबरी की, 90+16 मिनट में स्कोर 2-2 हो गया। अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को रेड कार्ड न मिलने सहित कई फैसले कथित तौर पर उनकी टीम के खिलाफ जाने के बाद मोरक्को के प्रशंसक बराबरी के गोल से पूरी तरह नाराज हो गए। प्रशंसक गुस्से में मैदान पर आ गए और जमीन पर पटाखे फेंके, जिससे अर्जेंटीना के खिलाड़ी डर गए और ड्रेसिंग रूम में वापस भाग गए।

मोरक्को के प्रशंसकों को लगा कि उनकी टीम की जीत छिन गई है और वे सुरक्षा का उल्लंघन करते हुए मैदान में घुस गए, जिसके परिणामस्वरूप खेल को रोकना पड़ा। आखिरकार मैदान को हमलावरों से मुक्त कर दिया गया, दोनों टीमें बीच में लौट आईं और रेफरी ने VAR से सलाह ली, अंततः गोल को खारिज कर दिया। मैच अंततः विवाद में समाप्त हुआ क्योंकि अर्जेंटीना के खिलाड़ी इस बात से खुश नहीं थे कि यह सब कैसे समाप्त हुआ।

इस घटना ने उद्घाटन समारोह से एक दिन पहले पेरिस ओलंपिक में ग्रीष्मकालीन खेलों में एथलीटों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए और आयोजन समिति को शर्मिंदगी से लाल कर दिया। अर्जेंटीना के डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी आयोजकों के लिखित बयान के बाद जिस तरह से दोनों टीमों को मैच खेलने के लिए मजबूर किया गया, उससे वास्तव में निराश थे। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक कागज है। ऐसा कभी नहीं हुआ। मोरक्को इसे खेलना नहीं चाहता था और न ही हम। हमने एक घंटे और चालीस मिनट तक इंतजार किया लेकिन किसी ने हमें कुछ नहीं बताया। यह आपको शक्तिहीन बनाता है क्योंकि यह ओलंपिक है।'

तीन बार की मेजर चैम्पियन कर्बर पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेंगी

पेरिस। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन एंजेलिक कर्बर ने बृहस्पतिवार के घोषणा की कि वह पेरिस ओलंपिक में खेलने के बाद संन्यास ले लेंगी। जर्मनी की इस 36 साल की खिलाड़ी ने रोलां गैरो में फ्रेंच ओपन को छोड़कर सभी ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं और वह लाल बजरी पर पेरिस ओलंपिक खेलने के बाद ही खेल को अलविदा कर देंगी। पेरिस ओलंपिक में वह शुरूआती दौर में जापान की चार बार की मेजर विजेता नाओमी ओसाका से भिड़ेगी। कर्बर ने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया- ओलंपिक खेल शुरू होने से पहले मैं कह सकती हूं कि मैं कभी भी पेरिस 2024 को नहीं भूल पाऊंगी क्योंकि बतौर टेनिस खिलाड़ी ये मेरा अंतिम पेशेवर टूर्नामेंट होगा। कर्बर ने 2016 में आस्ट्रेलियाई ओपन और अमेरिकी ओपन जीता है जिसके बाद वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थीं। दो साल बाद उन्होंने विम्बलडन ग्रैंडस्लैम अपने नाम किया।

सितंबर में ग्रेटर नोएडा में होगा न्यूजीलैंड-अफगानिस्तान टेस्ट

नई दिल्ली । अफगानिस्तान की टीम सितंबर में ग्रेटर नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेलेगी। न्यूजीलैंड की टीम इस मैच के लिए पहली बार ग्रेटर नोएडा पहुंचेगी जबकि अफगानिस्तान की टीम 4 साल बाद यहां आ रही है। अफगानिस्तान की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर के ग्रेटर नोएडा में ये मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच 9 से 13 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पाथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में एक टेस्ट मैच होगा। इस स्टेडियम में पहले भी अफगानिस्तान की टीम ने खेला है। अफगानिस्तान ने आखिरी बार 2020 में ग्रेटर नोएडा में मैच खेला था। अफगान टीम को भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने देश में में अपने मुकाबले खेलने की सुविधा दी है क्योंकि अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कोई स्टेडियम नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआइ से अनुमति मिलने के बाद से प्रबंधन ने इस मैच की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पिच को भी ठीक किया जा रहा है। ये मैच 9 सितंबर से होगा। इस मैच के लिए अभी दोनो में से किसी भी टीम की घोषणा नहीं हुई है। इस मैच के लिए अंदाजा लगाया जा रहा है कि कीवी टीम युवा खिलाड़ियों को उतार सकती है।

दक्षिण अफीका को लगा झटका, तेज गेंदबाज वेस्टइंडीज टेस्ट से बाहर

पोर्ट ऑफ स्पेन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को साइड स्ट्रेन के कारण वेस्टइंडीज के साथ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर कर दिया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार बताया कि कोएत्जी सात अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज खेलने के लिए फिट नहीं हैं और उन्हें साइड स्ट्रेन की चोट कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। उन्हें यह चोट अमेरिका की टी-20 फ्रेंचाइजी लीग मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दौरान लगी थी। वह लीग में टेक्सास सुपर किंग्स के लिए खेल रहे थे। कोएत्जी की जगह मिगेल प्रीटोरियस को टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने अभी तक टेस्ट स्तर का कोई मैच नहीं खेला है लेकिन उन्होंने 64 प्रथम श्रेणी खेले है। प्रीटोरियस को इससे पहले दिसंबर 2020 में श्रीलंका में टेस्ट सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में भी शामिल किया गया था, लेकिन कंधे में चोट के कारण वे पदार्पण नहीं कर सके। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच पोर्ट-ऑफ-स्पेन में पहला टेस्ट मैच खेला जायेगा। दूसरा टेस्ट मैच प्रोविडेंस में होगा। इसके बाद 24 से 28 अगस्त तक तीन टी20 मैच खेले जाएंगे।

श्रीलंका का तेज गेंदबाज चोट के कारण टी20 श्रृंखला से बाहर

पालेकल । श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा अभ्यास के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण भारत के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी के बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लग गई थी। श्रीलंका ने तुषारा की जगह एक अन्य तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल किया है। तुषारा की चोट श्रीलंका के लिए बड़ा झटका है क्योंकि यह तेज गेंदबाज शानदार फॉर्म में था। उन्होंने पिछले महीने टी20 विश्व कप में श्रीलंका की तरफ से सर्वाधिक आठ विकेट लिए थे। उनका इकोनॉमी रेट भी 5.62 था। तुषारा चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला से बाहर होने वाले श्रीलंका के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले दुष्मंथा चमीरा को अस्वस्थ होने के कारण टीम से बाहर होना पड़ा था। उनकी जगह असिथा फर्नांडो को टीम में शामिल किया गया है।

पेरिस पेरिस 2024: पदकों की हैट्रिक बनाने के लिए तैयार है पीवी सिंधु

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु लगातार तीसरे ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर इतिहास रचने के लिए किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ रही है और उन्होंने अपना यह लक्ष्य हासिल करने के लिए पिछले कुछ महीनो में अलग-अलग तरीकों से कड़ा अभ्यास किया है। सिंधु ने रियो ओलंपिक में रजत और तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अगर वह पेरिस ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचने में सफल रहती है तो फिर वह पदकों की हैट्रिक पूरी करने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी।

सिंधु पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीने प्रकाश पादुकोण के साथ बिताने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वह लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए तैयार है। सिंधु ने पोर्टे डे ला चैपल एरिना में अभ्यास सत्र के बाद कहा, 'निश्चित रूप से पदक जीतना मेरा लक्ष्य है। यह पहला हो या दूसरा या फिर तीसरा यह मायने नहीं रखता। मैंने दो पदक जीते हैं और मैं तीसरे पदक के बारे में सोच कर खुद पर दबाव नहीं बनना चाहती हूं।'

उन्होंने कहा, 'जब भी मैं ओलंपिक में भाग लेती हूं तो वह मेरे लिए नया ओलंपिक होता है। इसलिए मैं जब भी ओलंपिक में खेलने के लिए उतरती हूं तो मेरा लक्ष्य पदक जीतना होता है। उम्मीद है कि मैं जल्द ही हैट्रिक पूरी करूंगी।' पेरिस आने से पहले सिंधु ने जर्मनी के सारब्रूकेन में स्पोर्टकैंपस सार में अभ्यास किया जहां की समुद्र तल से ऊंचाई, मौसम और परिस्थितियां फ्रांस की राजधानी के समान हैं। परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए वहां उन्होंने अपने कमरे में एक हाइपोक्सिक चैंबर (कम ऑक्सीजन) बनाया और कुछ दिनों तक वहीं सोईं। हाइपोक्सिक चैंबर खिलाड़ी के शरीर को अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर खेलने के लिए तैयार करने में मदद करते हैं।

सिंधु ने कहा, 'मैं अभ्यास के लिए अधिक ऊंचाई वाले स्थान पर नहीं जा सकती थी। मेरे पास बहुत अधिक समय नहीं था और इसलिए मैंने सोचा कि कहीं और जाने से बेहतर होगा कि यहीं उस तरह की परिस्थितियां तैयार की जाएं।' इस स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने अपने स्ट्रोक्स में सुधार किया है और लंबी रैलियों में वह पहले से बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

पादुकोण के साथ अभ्यास करने से उन्हें क्या अंतर महसूस हुआ? सिंधु ने कहा, 'स्ट्रोक में बहुत अधिक आत्मविश्वास होना। महिला एकल में अब बहुत लंबी रैलियां और लंबी अवधि के मैच होते हैं और मैंने खुद को उनके

लिए तैयार किया है।' उन्होंने कहा, 'प्रत्येक प्रतिद्वंदी के खिलाफ आपको अलग शैली अपनानी पड़ती है और सही समय पर सही स्ट्रोक लगाना आवश्यक होता है। प्रकाश सर ने इस बात पर जोर दिया और हमने इस पर काम किया। बहुत सुधार हुआ है। यह आपको कोर्ट पर नजर आएगा।'

विधायक संगीताबेन पाटिल ने मीठी खाड़ी, पर्वत पाटिया क्षेत्र का दौरा किया, जहां भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई थी

सूरत। सूरत में लगातार चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण लिंबायत की मीठी खाड़ी और पर्वतपतिया क्षेत्र के शांति कुंज सोसायटी, गीतानगर, मामानगर और विधाता टाउनशिप इलाकों से गुजरने वाली खाड़ी में बाढ़ आ गई है. तदनुसार, लिंबायत विधायक श्रीमती संगीताबेन पाटिल ने क्षेत्र के नगरसेवकों के साथ व्यक्तिगत रूप से प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और सोसायटी के निवासियों के लिए पीने के पानी की बोतलें, दूध और भोजन के पैकेट की व्यवस्था की और आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया।

उन्होंने सूरत नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिए और प्रशासन द्वारा किए गए बचाव-राहत कार्यों की समीक्षा कर समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया. यह सुनिश्चित करने का ध्यान रखा गया कि प्रभावित लोगों को भोजन, दवा, पीने का पानी जैसी आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध हों।

प्राकृतिक कीटनाशक जो पानी, मिट्टी, हवा और फसलों की रक्षा करते हुए मित्र कीड़ों की संख्या बढ़ाते हैं

सूरत। समय के साथ खेती के तरीकों में इस्तेमाल होने वाले जहरीले रसायनों के उपयोग में बदलाव के कारण फसल-अनुकूल कीटों के साथ-साथ मानव जाति और पर्यावरण को होने वाले गंभीर नुकसान को रोकने के लिए पारंपरिक स्वदेशी तरीकों पर वापस लौटना जरूरी हो गया है। फिर गोबर और गोमूत्र के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के पौधों से बने निमास्त्र, अग्निआस्त्र, ब्रह्मास्त्र और दशपर्णी अर्क जैसे प्राकृतिक कीटनाशक मित्र कीटों की संख्या बढ़ाकर धरती को फिर से हरा-भरा बनाने में मदद करते हैं।

निमस्त्र: निमास्त्र बनाने के लिए 180 ली. पानी में 10 लीटर. देशी गाय का मूत्र + 2 किलो देशी गाय का गोबर + 10 किलो कड़वी नीम की छोटी पत्तियां, कुमली की टहनियाँ और 20 से 30 किलो नींबू का रस। इस मिश्रण को किसी थैली से ढककर 48 घंटे के लिए छाया में रख दें। इसे सुबह-शाम 1-1 मिनट तक क्लॉकवाइज हिलाएं और फिर कपड़े से छानकर 6 महीने तक रखें।

छिड़काव: 200 लीटर प्रति एकड़ केवल निमास्त्र के रूप में (बिना पानी मिलाए)।

नियंत्रण: सकर्स, कैटरपिलर

बन्दूक: आग्नेयास्त्र बनाने के लिए 20 ली. 2 किलो कड़वी नीम के पत्तों की चटनी + 500 ग्राम तीखी मिर्च की चटनी + 250 ग्राम देसी लहसुन की चटनी + 500 ग्राम तम्बाकू पाउडर को देसी गाय के मूत्र में मिलाकर ढककर धीमी आंच पर उबाल आने तक गर्म करें और ठंडा होने दें। इसके बाद 2 दिन तक सुबह-शाम 1-1 मिनट तक क्लॉकवाइज हिलाकर कपड़े से छान लें और 3 महीने तक स्टोर करके रखें।

छिड़काव: प्रति एकड़ 100 से 200 लीटर पानी + 6 से 8 लीटर अग्निरोधी

नियंत्रण: कैटरपिलर, कीड़े और कुछ कवक और दीमक।

ब्रह्मास्त्र: ब्रह्मास्त्र बनाने के लिए 20 लीटर. देसी गाय का मूत्र + 2 किलो कड़वी नीम के पत्ते की चटनी + 2 किलो करंज के पत्ते की चटनी + 2 किलो। धनिया पत्ती की चटनी + 2 किलो। अरंडी के पत्ते की चटनी + 2 किलो। धतूरे के पत्ते की चटनी + 2 किलो बेलपत्र के पत्ते की चटनी पांच प्रकार की चटनी में से कोई एक लें और इस मिश्रण को ढककर धीमी आंच पर उबाल आने तक गर्म करें और फिर इसे ठंडा होने दें। इसके बाद 2 दिनों तक सुबह-शाम 1-1 मिनट तक घड़ी की दिशा में घुमाकर कपड़े में छानकर 6 महीने तक प्रयोग कर सकते हैं।

छिड़काव: 100 से 200 लीटर पानी 6 से 8 लीटर ब्रह्मास्त्र प्रति एकड़

नियंत्रण: बड़ी इल्ली, चूसने वाली इल्ली

दस्पाहरनी अर्क: दशपर्णी अर्क बनाने के लिए 180 लीटर पानी + 20 लीटर। देशी गाय का गौमूत्र + 2 देशी गाय का गोबर एकत्र कर उसे डंडे से हिलाकर 2 घंटे के लिए छाया में बैग से ढक दिया जाता है। ताकि जैव-रासायनिक बाधा टूट जाए, उपरोक्त मिश्रण + 500 ग्राम हल्दी पाउडर + 500 ग्राम अदरक की चटनी + 10 ग्राम हिंग पाउडर मिलाकर इस मिश्रण को हिलाएं और रात भर एक बोरी से ढक दें। अगले दिन सुबह उपरोक्त मिश्रण 1 कि.ग्रा. गरम मिर्च की चटनी, 500 ग्राम देशी लहसुन की चटनी, 1 किलो तम्बाकू पाउडर को ढककर धूप व बारिश से दूर छाया में रखें।

360 डिग्री ब्लेडलेस तकनीक के साथ सैमसंग इंडिया ने नए एसी लॉन्च किए

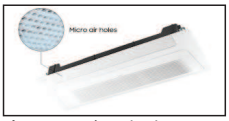

नेशनल। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नए विंडफ्रीज़ एयर कंडीशनर लॉन्च किए हैं। ये एसी चिल्ड वॉटर-आधारित कैसेट यूनिट में आते हैं और विंडफ्रीज़ और 360 डिग्री ब्लेडलेस तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। ये नई तकनीक उपभोक्ताओं को सीधे ठंडे हवा के झोंके के बिना बेहतर कूलिंग प्रदान करती है।"

चिल्ड वॉटर आधारित कैसेट यूनिट्स उपभोक्ताओं को अपने मनचाहे तापमान सेट करने की सुविधा देती हैं। विंडफ्रीज़ कूलिंग टेक्नोलॉजी 0.15 मीटर/सेकंड की हवा की गति से 15,000 छोटे-छोटे एयर होल्स के जरिए धीरे-धीरे ठंडी हवा फैलाती है। एडवांस एयर फ्लो सिस्टम चुपचाप काम करते हुए कमरों को तेजी से ठंडा करता है और केवल 24 डीबी (.) की बहुत हल्की आवाज उत्पन्न करता है, जो इसे शयन कक्षों, अध्ययन कक्षों और बच्चों के कमरों के लिए आदर्श बनाता है।

नई फैन कॉइल यूनिट विंडफ्रीज़ एसी को पानी के पाइप और वाल्व का उपयोग करके एक सेंट्रल चिल्ड वाटर सिस्टम से जोड़ा जाता है। ये हाइड्रोनिक फैन कॉइल यूनिट बड़े स्थानों को गर्म या ठंडा करने के लिए कॉइल के माध्यम से गर्म या ठंडा पानी प्रसारित करते हैं। इन यूनिट्स का उपयोग सैमसंग एयर-कूल्ड चिलर्स या किसी थर्ड-पार्टी एयर-कूल्ड और वाटर-कूल्ड चिलर के साथ भी किया जा सकता है।

सैमसंग इंडिया के एसएसी बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर श्री विपिन अग्रवाल ने कहा, "सैमसंग का लक्ष्य अपने अत्याधुनिक उत्पादों से उपभोक्ताओं को सुविधा और टिकाऊपन प्रदान करना है। चिल्ड वॉटर फैन कॉइल यूनिट बिना शोर किए तेजी से बेहतरीन कूलिंग देते हैं। ये यूनिट बड़े स्थानों के लिए सबसे अच्छी हैं और हमारा प्रयास एयरफ्लो सिस्टम को और भी ऊत, आरामदायक और सुलभ बनाना है।"

एस्प्रिट स्टोन्स लिमिटेड का आईपीओ 26 जुलाई 2024 को खुलेगा

एस्प्रिट स्टोन्स लिमिटेड, भारत के इंजीनियर्ड पत्थर क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी, जो टिकाऊ इंजीनियर्ड क्वार्ट्ज और संगमरमर सतहों में विशेषज्ञता रखती है, ने 26 जुलाई, 2024 को प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के माध्यम से ऊपरी बैंड पर रू 50.42 करोड़ जुटाने का है, जिसमें शेयरों को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाना है। इश्यू का आकार रू10 प्रत्येक के अंकित मूल्य पर 57,95,200 इक्विटी शेयरों तक है। इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग मुख्य रूप से कंपनी की कार्यशील पूंजी की आवश्यकता, निवेश, पुनर्भुगतान और/या सहायक कंपनी हाइक स्टोन्स प्राइवेट लिमिटेड (एचएसपीएल) में उधार के पूर्व भुगतान और इसकी कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन के लिए बोली 25 जुलाई, 2024 को खुलेगी, सब्सक्रिप्शन के लिए इश्यू 26 जुलाई, 2024 को खुलेगा और 30 जुलाई, 2024 को बंद होगा।

इश्यू के प्रमुख प्रबंधक चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड और सृजन अल्फा कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी हैं, इश्यू के रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं।

एस्प्रिट स्टोन्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और प्रमोटर, श्री सुनील कुमार लुनावाथ ने कहा, "एस्प्रिट स्टोन्स लिमिटेड को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग रणनीतिक रूप से हमारी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और हमारी सहायक कंपनी एचएसपीएल में निवेश करने के लिए किया जाएगा अग्रणी इंजीनियर्ड पत्थर निर्माता, उच्च गुणवत्ता वाले क्वार्ट्ज और संगमरमर की सतहें अपने स्थायित्व और सौंदर्य अपील के लिए प्रसिद्ध हैं। नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता हमारे विकास और विस्तार प्रयासों को रेखांकित करती है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निरंतर सफलता का आश्वासन देती है एस्प्रिट स्टोन्स लिमिटेड के लिए रोमांचक नया अध्याय, और हमें विश्वास है कि यह मूल्य को और बढ़ाएगा और हमारी कॉर्पोरेट छवि और हमारे ब्रांड नाम की दृश्यता को बढ़ाएगा।"

चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और सीईओ श्री रतिराज टिबरेवाल ने कहा, "हमें एक ऐसी कंपनी का समर्थन करने पर गर्व है जिसने इंजीनियर्ड पत्थर उद्योग में उत्कृष्ट नेतृत्व और नवाचार का प्रदर्शन किया है। इंजीनियर्ड पत्थरों का वैश्विक बाजार स्थायी रूप से महत्वपूर्ण वृद्धि का अनुभव कर रहा है।" आकर्षक और कम रखरखाव वाली सतहों की बढ़ती मांग से प्रेरित, हमें विश्वास है कि एस्प्रिट स्टोन्स लिमिटेड अपनी बाजार उपस्थिति का विकास और विस्तार जारी रखेगा।

श्री गोविंद साबू, पार्टनर, सृजन अल्फा कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी ने कहा, "एस्प्रिट स्टोन्स लिमिटेड घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की उभरती जरूरतों को पूरा करने वाले प्रीमियम उत्पादों को पेश करके लगातार उद्योग के रुझानों में आगे रहा है। हमारा मानना है कि आय का रणनीतिक उपयोग इश्यू से कंपनी की बाजार स्थिति और मजबूत होगी और भविष्य में भी इसमें वृद्धि जारी रहेगी।"

हिंदुस्तान जिंक ने एशिया का पहला लो कार्बन 'ग्रीन' जिंक इकोजेन किया लॉन्च

मुंबई। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपना लो कार्बन ग्रीन जिंक ब्रांड इकोजेन लॉन्च किया। एसएंडपी ग्लोबल सीएसए के अनुसार विश्व की सबसे सस्टेनेबल धातु और खनन कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त यह कंपनी एशिया की पहली जिंक उत्पादक है जिसने दुनिया भर में अपने ग्राहकों के लिए अपनी तरह का पहला लो कार्बन ग्रीन जिंक ऑफर किया है। इकोजेन को एक प्रसिद्ध वैश्विक स्थिरता परामर्श फर्म द्वारा जीवन चक्र मूल्यांकन, एलसीए के माध्यम से लो-कार्बन जिंक के रूप में प्रमाणित किया गया है और इसका कार्बन फुटप्रिंट प्रति टन उत्पादित जिंक पर एक टन से भी कम कार्बन समतुल्य है, जो वैश्विक औसत से 75 प्रतिशत कम है। जिंक का प्राथमिक अनुप्रयोग स्टील को जंग से बचाने के लिए गैल्वनाइजेशन के लिए है स्टील, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव और सनराइज सेक्टर जैसे अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, हाई-टेक विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण, रक्षा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इकोजेन हिंदुस्तान जिंक की अपने परिचालन को डीकार्बोनाइज करने के साथ-साथ अपने ग्राहकों को एक बेजोड़ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि बदले में अपने ग्राहकों को अधिक सस्टेनेबल विकल्प प्रदान किए जा सकें। इस नवीनतम पेशकश से हिंदुस्तान जिंक के इकोजेन के साथ एक टन स्टील को गैल्वनाइज करने में उनकी मूल्य श्रृंखला में लगभग 400 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन से बचाव होगा। हिंदुस्तान जिंक की नवीनतम पेशकश, कम कार्बन ग्रीन जिंक को इकोजेन ब्रांड किया गया है। शुरुआत के लिए इकोजेन एक स्पेशल हाई ग्रेड (एसएचजी) जिंक उत्पाद संस्करण के रूप में उपलब्ध है इस कम कार्बन वाले पर्यावरण अनुकूल जिंक का निर्माण अक्षय ऊर्जा का उपयोग करके किया जा रहा है और इसका वैश्विक तापमान वृद्धि क्षमता मूल्य बाजार में सबसे कम है, जो वैश्विक औसत से लगभग 75 प्रतिशत कम है। उत्पाद की प्रमाणन प्रक्रिया एक मास-बैलेंस दृष्टिकोण पर आधारित है और इसे क्रैडल टू गेट पद्धति का उपयोग कर किया गया है।

हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन और वेदांता समूह की गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि, स्थिरता हमारे सभी व्यावसायिक निर्णयों के मूल में बनी हुई है। हिंदुस्तान जिंक का एसएंडपी इंडेक्स में नंबर 1 होना, एक स्थायी भविष्य के निर्माण की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इकोजेन का शुभारंभ 2050 तक नेट जीरो बनने की हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। ईएसजी के क्षेत्र में वैश्विक मानक स्थापित कर, वेदांता का हिंदुस्तान जिंक सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक सस्टेनेबल संचालन और उत्पाद बनाकर प्राकृतिक संसाधन उद्योग में क्रांति ला रहा है।

उत्पाद लॉन्च के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा, इकोजेन का लॉन्च हमारे परिचालन को डीकार्बोनाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूक ग्राहकों की सेवा भी करता है जो अपने द्वारा उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल की उत्पत्ति के बारे में जागरूक हैं और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को डीकार्बोनाइज करने का लक्ष्य रखते हैं। यह हिंदुस्तान जिंक के नेट-जीरो लक्ष्यों के अनुरूप हमारी उत्पाद रणनीति में एक प्रमुख मील का पत्थर है। एक टन से भी कम कार्बन समकक्ष के कार्बन फुटप्रिंट के साथ उत्पादित, इकोजेन बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और कम कार्बन संक्रमण के लिए प्रौद्योगिकियों में अपनी भूमिका के लिए बाजार में सबसे सस्टेनेबल कम कार्बन जिंक विकल्पों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।

एयरटेल ने गुजरात में अतिरिक्त 4.1 मिलियन घरों तक अपनी वाई-फाई सेवा का विस्तार किया है

अहमदाबाद ।

भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल ("एयरटेल") ने आज घोषणा की कि उसने गुजरात में अतिरिक्त 4.1 मिलियन नए घरों में अपनी वाई-फाई सेवा का विस्तार किया है। एयरटेल वाई-फाई के साथ, ग्राहक को न केवल हाई-स्पीड विश्वसनीय वायरलेस इंटरनेट सेवा मिलती है, बल्कि असीमित स्ट्रीमिंग, 20 से अधिक ओटीटी सेवाओं और 350 से अधिक टीवी चैनलों तक पहुंच सहित कई अन्य लाभ भी मिलते हैं। ग्राहक एयरटेल थैंक्स ऐप का उपयोग करके या 813018 1301 पर कॉल करके ऑर्डर देकर एयरटेल वाई-फाई बुक कर सकते हैं।

सौमेंद्र साहू, सीईओ - गुजरात, भारती एयरटेल ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि एयरटेल वाई-फाई अब गुजरात के हर कोने तक पहुंच गया है। एयरटेल वाई-फाई के साथ, ग्राहक 20 से अधिक ओटीटी, 350 से अधिक टेलीविजन चैनलों और विश्वसनीय हाई-स्पीड वायरलेस वाई-फाई सेवा तक पहुंच सहित मनोरंजन विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला को अनलॉक कर सकते हैं। 599 प्रति माह. हमें उम्मीद है कि ग्राहक इसका अधिकतम लाभ उठाएंगे और अंतहीन मनोरंजन का आनंद लेंगे।"

गुजरात स्थित ट्रॉम इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ सोमवार, 29 जुलाई 2024 को बंद होगा

ट्रॉम इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मूल रूप से "ट्रॉम सोलर" के नाम और शैली के तहत 08 अगस्त, 2011 को एक साझेदारी फर्म के रूप में शामिल किया गया था। 10 अप्रैल 2019 को आयोजित भागीदारों की बैठक में पारित एक प्रस्ताव के अनुसार हमारी कंपनी को एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित कर दिया गया। हमारी कंपनी का नाम बदलकर "ट्रॉम इंडस्ट्रीज लिमिटेड" कर दिया गया। ट्रॉम इंडस्ट्रियल लिमिटेड एक सौर ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) कंपनी है जो आवासीय सौर छत प्रणाली, औद्योगिक सौर ऊर्जा संयंत्र, जमीन पर लगे सौर ऊर्जा संयंत्र और सौर स्ट्रीट लाइट में विशेषज्ञता रखती है। अब इसने गुरुवार, 25 जुलाई, 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश की घोषणा की है। यह 2,727,600 शेयरों (कुल मिलाकर रू 31.37 करोड़ तक) का बुक-बिल्ट इश्यू है। इश्यू की लिस्टिंग नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ("एनएसई इमर्ज") के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर होगी।

आईपीओ सूचना:

आईपीओ दिनांक : गुरुवार, जुलाई 25, 2024 से सोमवार, जुलाई 29, 2024

लिस्टिंग दिनांक: गुरुवार, 01 अगस्त, 2024

अंकित मूल्य: रू 10 प्रति शेयर

मूल्य बैंड: रू10 से रू115 प्रति शेयर

लॉट साइज: 1200 शेयर

निर्गम आकार: 2,727,600 शेयर (कुल रू 31.37 करोड़ तक)

ताज़ा अंक:2,727,600 शेयर (कुल रू 31.37 करोड़ तक)

प्रकार:बुक बिल्ट इश्यू आईपीओ

लिस्टिंग प्लेटफार्म:एनएसई एसएमई

इश्यू से पहले शेयरहोल्डिंग हैं: 6,467,266

शेयरहोल्डिंग इश्यू के बाद : 9,194,8 66 है

मार्केट मेकर पार्ट : 136,800 शेयर, सूर्यमुखी ब्रोकिंग

क्यूआईबी श्रेणी :12,94,800 इक्विटी शेयरों से अधिक नहीं

गैर-संस्थागत श्रेणी: न्यूनतम 5,88,800 इक्विटी शेयर

खुदरा व्यक्तिगत श्रेणी:न्यूनतम 9,07,200 इक्विटी शेयर

प्रिस्टीन केयर ने रचा इतिहास, एप्पल विजन प्रो की मदद से की दुनिया की पहली एसीएल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी

नई दिल्ली ।

प्रिस्टीन केयर ने देश की प्रसिद्ध एसीएल एक्सपर्ट डॉ. मनु बोरा के नेतृत्व में इतिहास रचते हुए क्रांतिकारी एप्पल विजन प्रो की मदद से दुनिया की पहली एसीएल सर्जरी की है। यह अब तक की पहली सर्जरी है, जिसमें 33 साल के एक पुरुष रोगी की एसीएल और पीसीएल रिकंस्ट्रक्शन और मेनिस्कस रिपेयर किया गया। यह सफलता हेल्थकेयर के क्षेत्र में इनोवेशन को लेकर प्रिस्टीन केयर की प्रतिबद्धता को पेश करती है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पहले प्रिस्टीन केयर मई में एक और उपलब्धि हासिल कर चुका है। तब प्रिस्टीन केयर ने पहली बार एप्पल विजन प्रो की मदद से बैरिएट्रिक सर्जरी की थी। अत्याधुनिक ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) डिवाइस, एप्पल विजन प्रो का उपयोग सटीकता से सर्जरी करने और रोगी की बेहतर देखभाल के लिए प्रिस्टीन केयर के प्रयासों को प्रदर्शित करता है।

प्रिस्टीन केयर के को-फाउंडर हरसिमरबीर सिंह ने कहा, "एप्पल विजन प्रो का उपयोग ऑर्थोपेडिक सर्जरी में करना यह बताता है कि हम हेल्थकेयर के क्षेत्र में इनोवेशन लाने को लेकर कितनी गंभीरता से काम कर रहे हैं। हम जिस तरह से हेल्थकेयर के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाते हुए नए मानक स्थापित कर रहे हैं, साथ ही मरीजों को सबसे बेहतरीन केयर प्रदान कर रहे हैं, इस पर हमें गर्व है। हमारा पूरा फोकस हेल्थकेयर के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए इनोवेशन को बढ़ावा देने पर है। हमारी यह कोशिश बताती है कि हम उन लोगों को सबसे बेहतरीन इलाज और केयर प्रदान करें जिनकी हम सेवा करते हैं।"

एप्पल विजन प्रो एक विस्तृत 3डी व्यू प्रदान करता है। इसकी मदद से डॉ. बोरा और उनकी टीम कॉम्पलेक्स एनाटॉमिकल स्ट्रक्चर को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। इस तकनीक ने उन्हें सटीक तरीके से सर्जरी करने, जोखिम को कम करने और रोगी को बेहतर इलाज प्राप्त करने में मदद की है। यह सर्जरी आर्थोपेडिक केयर के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता है। यह सटीक तरीके से सर्जरी करने, सर्जरी में लगने वाले समय को कम करने और रोगी को तेजी से रिकवरी प्राप्त करने के लिए एआर तकनीक कितनी मददगार है, इसे प्रदर्शित करती है।

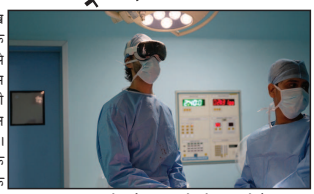

डॉ. मनु बोरा ने कहा, "जटिल स्तर की सर्जरी में एप्पल विजन प्रो का उपयोग करके, हम सटीक तरीके से सर्जरी करने और रोगियों को बेहतर परिणाम देते हुए स्वास्थ्य सेवा के नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। एडवांस एआर तकनीक बहुत तेजी से हेल्थकेयर के भविष्य में बदलाव ला रही है।"

प्रिस्टीन केयर द्वारा इनोवेटिव तरीके से एप्पल विजन प्रो का इस्तेमाल करते हुए हेल्थकेयर के क्षेत्र में अपनी स्थिति को और भी मजबूत किया है। प्रिस्टीन केयर का यह प्रयास सर्जरी के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला रहा है, साथ ही रोगियों के अनुभव को और भी बेहतर बना रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)